Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-19, अंक-21 01-15 नवंबर, 2024 (पाक्षिक) ₹20

'लगातार हार से कांग्रेस का पूरा नेतृत्व सदमे में है'

'डबल इंजन सरकार समाज के हर वर्ग की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी'

पंचकूला (हरियाणा) में 17 अक्टूबर, 2024 को श्री नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मलित होते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

चंडीगढ़ (हरियाणा) में 17 अक्टूबर, 2024 को एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

चंडीगढ़ (हरियाणा) में 17 अक्टूबर, 2024 को एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक के दौरान एक समूह चित्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह और श्री अमित शाह, एनडीए के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री

पंचकूला (हरियाणा) में 16 अक्टूबर, 2024 को विधायक दल की बैठक को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

33 कोर मुख्यालय (दार्जिलिंग) में 12 अक्टूबर, 2024 को विजयदशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार नायब सिंह सैनी ने ली दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में एक भव्य समारोह में श्री नायब सिंह सैनी ने 17 अक्टूबर, 2024 को पंचकूला के दशहरा मैदान में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हरियाणा के...

10 एनडीए ने समाज के सभी वर्गों का विश्वास और समर्थन हासिल किया है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर, 2024 को चंडीगढ़ में आयोजित एनडीए नेताओं की...

12 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर लिखा— "'विकसित भारत' बनाने के हमारे प्रयास को गति देते हुए! भाजपा...

17 'मेक इन इंडिया' के 10 वर्ष

भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में सशक्त बनाने के लिए 25 सितंबर, 2014 को शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल एक ऐतिहासिक दशक पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री...

31 आज की विकास पहलों से नागरिकों, विशेषकर हमारी युवा शक्ति को बहुत लाभ होगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कई विकास...

लेख

आइए, पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करें! लोथल में हमारी समुद्री विरासत का सम्मान / **नरेन्द्र मोदी** 23

सेमीकंडक्टर क्रांतिः भारत की तकनीकी व भू-राजनीतिक प्रभाव का नया युग / **अरुण सिंह** 24

अंधकार युग में पंजाब / **तरुण चुघ** 25

अन्य

पीएम गति शक्तिः भारत के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी का रूपांतरण 14

रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मिली मंजूरी 19

ईपीएफओ ने अगस्त, 2024 के दौरान 18 लाख 53 हज़ार सदस्य जोड़े 19

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गंगा नदी पर एक नए रेल-सह-सड़क सेतु सहित वाराणसी-पं. दीनदयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को दी मंजूरी 20

सीमा सड़क संगठन की 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित 21

मोदी स्टोरी 22

कमल पुष्प 22

दुनिया जब चिंता में डूबी हुई है, तब भारत आशा की किरण जगा रहा है: नरेन्द्र मोदी 28

पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत के प्रति श्रद्धांजलि है: प्रधानमंत्री 28

लगातार हार से कांग्रेस का पूरा नेतृत्व सदमे में है : जगत प्रकाश नड्डा 29

महाराष्ट्र एवं झारखंड में विधानसभा चुनावों की घोषणा 30

'आसियान आज भारत के सबसे बड़े व्यापार और निवेश भागीदारों में से एक है' 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

काशी और उत्तर प्रदेश सहित देशभर के नौजवानों से मेरा आग्रह है कि वे राजनीति की दिशा बदलने वाले उस अभियान की धुरी बनें, जिसका मैंने लाल किले से आह्वान किया था।

(20 अक्टूबर, 2024)

जगत प्रकाश नड्डा

कांग्रेस के अर्बन नक्सल्स होने के जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे जी का भाजपा को आतंकी पार्टी बताना, कांग्रेस की इसी हताशा और वैचारिक शून्यता को दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस की लगातार हार की खीझ से उनका पूरा शीर्ष नेतृत्व सदमे में है।

(13 अक्टूबर, 2024)

अमित शाह

त्योहारों के समय केंद्रीय कर्मचारियों को उपहार देते हुए मोदीजी के नेतृत्व में आज कैबिनेट ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) और पेंशनर्स को महंगाई राहत (DR) में 3% की अतिरिक्त वृद्धि की है। इस निर्णय से केंद्र सरकार के 49.18 लाख कर्मचारियों और 64.89 लाख पेंशनधारियों को लाभ मिलेगा। इस विशेष सौगात के लिए मोदीजी का बहुत-बहुत आभार। (16 अक्टूबर, 2024)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में आज 2025-26 सीजन के लिए रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी गई। कृषि कल्याण के प्रति समर्पित प्रधानमंत्रीजी के इस निर्णय से किसानों की आय में वृद्धि होगी। इसके लिए प्रधानमंत्रीजी का आभार!

(16 अक्टूबर, 2024)

बी.एल. संतोष

पूरी सोशल मीडिया टाइमलाइन #SaveRahul Gandhi अभियान के ट्वीट से भरा पड़ा है। सैकड़ों तर्क हैं। हजारों ट्वीट हैं। इस पल का लुत्फ उठा रहा हूं। हरियाणा के आम मतदाताओं ने अपने लोकतांत्रिक अधिकार का पूरी लगन से इस्तेमाल करके तूफान ला दिया है।

(13 अक्टूबर, 2024)

मनोहर लाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाराणसी-पंडित दीनदयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग परियोजना के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जिसमें गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क पुल भी शामिल है। 2,642 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना से आवागमन आसान होगा और रसद दक्षता में सुधार होगा, जिससे आपूर्ति श्रृंखला सुव्यवस्थित होगी एवं आर्थिक विकास में तेजी आएगी। (16 अक्टूबर, 2024)

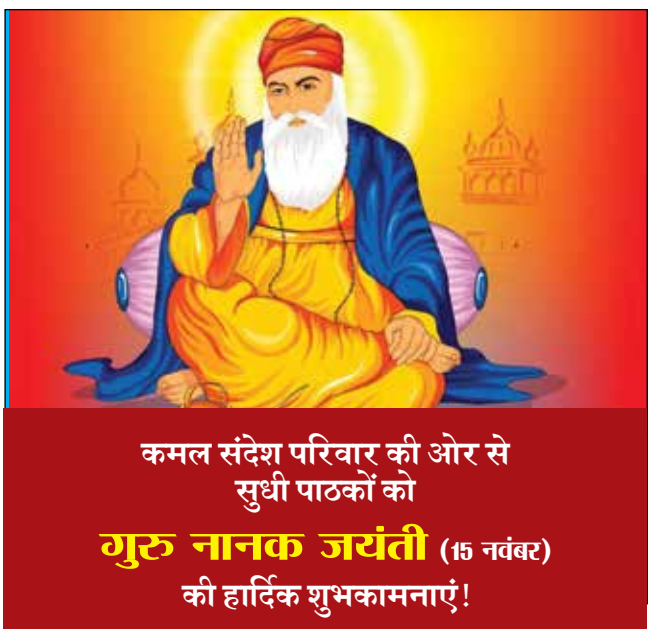

संपादकीय

हरियाणा में जनसेवा को पुनः समर्पित भाजपा

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, 11 कैबिनेट एवं 2 राज्य मंत्रियों के साथ हरियाणा में भाजपा सरकार पुनः जनसेवा को समर्पित हो गई। जनता द्वारा लगातार तीसरी बार आशीर्वाद प्राप्त कर भाजपा ने हरियाणा में इतिहास रच दिया है। भाजपा को तीसरी बार जनता का न केवल पुनः आशीर्वाद प्राप्त हुआ है, बल्कि पहले से अधिक सीटें एवं मत भी प्राप्त हुए हैं। इससे भाजपा के प्रति जन-जन का बढ़ता विश्वास परिलक्षित होता है। ध्यान देने योग्य है कि 'परफॉर्मेंस एवं विकास की राजनीति' पूरे देश में लोगों का दिल जीत रही है तथा जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में पूरे देश का राजनैतिक परिदृश्य बदल गया है तथा जनसेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता के कारण भाजपा की सरकारें जनता द्वारा बार-बार निर्वाचित की जा रही हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से 'विकसित भारत' के लक्ष्य को ऊर्जा मिल रही है। परिणामतः हर क्षेत्र में अद्भुत उपलब्धियों को देखा जा सकता है। केंद्र से लेकर राज्यों तक न केवल भाजपा सरकारों को जनता बार-बार अपना आशीर्वाद दे रही है, बल्कि उन राज्यों में भी भाजपा ने सरकार बनाई है जहां पहले कभी उसकी सरकार नहीं बनी थी। यह एक ऐसा चमत्कार है जो जनसेवा के लिए कड़ा परिश्रम, तपस्या एवं प्रतिबद्धता का प्रतिफल है।

> 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से 'विकसित भारत' के लक्ष्य को ऊर्जा मिल रही है। परिणामतः हर क्षेत्र में अद्भुत उपलब्धियों को देखा जा सकता है

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष की अत्यंत गैर-जिम्मेदार एवं निंदनीय बयान पर कड़ा जवाब दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने दुर्भाग्यपूर्ण बयान में भाजपा को एक आतंकी दल कहा है। इसकी हर ओर कठोर भर्त्सना हुई है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ठीक ही कहा है कि मल्लिकार्जुन खरगे की इस प्रकार की अशोभनीय भाषा कांग्रेस की बार-बार की हार से उपजे उसके वैचारिक दिवालियापन एवं कुंठा को दर्शाता है। कांग्रेस की पराजय की कुंठा को इसी बात से समझा जा सकता है कि सत्ता-केंद्रित राजनीति से उसके मोह ने इसे सिद्धांतहीन राजनीति की ओर धकेल दिया है। अब यह देशहित को ताक पर रखकर भी विभाजनकारी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है। अर्बन नक्सल, आतंकवादियों, अलगाववादियों और अनेक अवसर पर देशहित से अलग चीन एवं पाकिस्तान तक का समर्थन करने में भी अब इसे कोई हिचक नहीं रह गयी है। कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी का यह स्वभाव ही हो गया है कि भारत की अद्भुत उपलब्धियों को विदेशों में कमतर करके दिखाया जाए। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि न केवल वे देश को विदेशों में नकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करते हैं, बल्कि देश की जनता को असहिष्णु एवं एक-दूसरे के दुश्मन के रूप में भी चित्रित करते हैं। भारत के गौरवशाली अतीत, परंपराओं एवं मूल्यों से अनभिज्ञ राहुल गांधी के बयानों से जहां कांग्रेस पार्टी शर्मसार होती रही है, वहीं मल्लिकार्जुन खरगे भी अपनी पार्टी की स्थिति हास्यापद बनाने में पीछे नहीं है। इन दोनों के कारण न केवल कांग्रेस को शर्मिंदा होना पड़ा है, बल्कि कई बार इन्होंने देश को नीचा दिखाने में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ा है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ठीक ही इन्हें भाजपा पर आरोप लगाने के स्थान पर आत्ममंथन की सलाह दी है।

हरियाणा में शपथ-ग्रहण के तुरंत बाद हुए एनडीए की बैठक में प्रो-पीपल, प्रो-एक्टिव एवं सुशासन के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दुहराते हुए शासन में आसानी, तीव्र निर्णय प्रक्रिया एवं पारदर्शिता पर बल दिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एनडीए शासित राज्यों के मध्य स्वच्छतम पर्यटन स्थलों, स्वच्छतम अस्पतालों, स्वच्छतम पंचायतों आदि के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का आह्वान किया है। आज जब 'विकसित भारत' का मंत्र पूरे देश में गूंज रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक सुदृढ़, समृद्ध एवं गौरवशाली भारत के निर्माण के स्वप्न को जन-जन का आशीर्वाद मिल रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार

नायब सिंह सैनी ने ली दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ

- **प्रधानमंत्रीजी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ शपथ ग्रहण समारोह**
- **11 कैबिनेट एवं 2 राज्य मंत्रियों ने भी शपथ ली**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में एक भव्य समारोह में श्री नायब सिंह सैनी ने 17 अक्टूबर, 2024 को पंचकूला के दशहरा मैदान में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रीगण भी उपस्थित रहे।

हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने 11 कैबिनेट मंत्रियों और 2 राज्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलाई।

नए कैबिनेट मंत्रियों में शामिल हैं— श्री अनिल विज, श्री कृष्ण लाल पंवार, राव नरबीर सिंह, श्री महिपाल ढांडा, श्री विपुल गोयल, डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, श्री श्याम सिंह राणा, श्री रणबीर गंगवा, स. कृष्ण कुमार बेदी, श्रीमती श्रुति चौधरी एवं कुमारी आरती सिंह राव। इनके अलावा श्री राजेश नागर एवं श्री गौरव गौतम ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पद की शपथ ली।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अलावा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह भी समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, श्री कृष्णपाल, श्री रामदास अठावले, श्री जयन्त चौधरी, श्रीमती अनुप्रिया पटेल और श्री सत्यपाल सिंह बघेल शपथ समारोह में शामिल हुए।

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया, गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री सी.वी. आनंद बोस, दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सैना भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

समारोह में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ, असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी, गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह, मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा, नागालैंड के मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो, सिक्किम के मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग एवं त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा भी शपथ समारोह में शामिल हुए। इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों के उपमुख्यमंत्रीगण भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

शपथ ग्रहण से पहले रामायण के रचयिता, आदिकवि महर्षि भगवान वाल्मीकि जी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने समस्त प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पंचकूला स्थित वाल्मीकि मंदिर में माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री सिंह ने पंचकूला स्थित माता मनसा देवी मंदिर एवं गुरुद्वारा श्री नाडा साहिब में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्री सिंह ने हरियाणा की प्रगति एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नायब सिंह सैनी जी और उनके साथ मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को बहुत-बहुत बधाई। यह टीम सुशासन और अनुभव का एक अद्भुत संगम है, जो यहां के लोगों के सपनों को साकार करने के साथ ही राज्य के विकास को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। मुझे विश्वास है कि डबल इंजन की सरकार गरीबों, किसानों, जवानों, युवाओं और महिलाओं के साथ ही समाज के हर वर्ग की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री नायब सिंह सैनी जी व उनके पूरे मंत्रिमंडल को बधाई एवं शुभकामनाएं। लगातार तीसरी बार वीरभूमि की जनता ने भाजपा के विकास की राजनीति को अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया है। विगत 10 वर्षों में डबल-इंजन की सरकार ने प्रदेश के हर क्षेत्र में नए मापदंड स्थापित किए है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आप सभी पूरी तन्मयता से प्रदेश की विकास यात्रा को अनवरत जारी रखते हुए सुशासन व गरीब कल्याण के नये आयाम गढ़ेंगे।

– जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में पुनः शपथ लेने के लिए श्री नायब सिंह सैनी को हार्दिक बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सैनीजी के नेतृत्व में टीम हरियाणा, प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में और विकास को नई बुलंदी तक पहुंचाने में सफल सिद्ध होगी। मैं श्री नायब सैनी को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देता हूं।

– राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

श्री नायब सिंह सैनी जी को पुनः हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बहुत-बहुत बधाई एवं हरियाणा सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सभी वर्गों को साथ लेकर किसानों, युवाओं, महिलाओं व गरीबों के कल्याण का जो संकल्प लिया है, मुझे विश्वास है कि नायब सैनी जी के नेतृत्व में हरियाणा उसे चरितार्थ करने की दिशा में आगे बढ़ता रहेगा। भाजपा सरकार द्वारा बीते एक दशक में हरियाणा वासियों की समृद्धि व सुशासन के जो कार्य हुए हैं, उन्हें आप सभी और भी ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

– अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

जीवन परिचय

- मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का जन्म 25 जनवरी, 1970 को हरियाणा के अंबाला के निकट मिजापुर माजरा गांव में हुआ था।
- वह विधि स्नातक हैं और उन्होंने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की है तथा बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार से बी.ए. किया है।
- साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले श्री सैनी भारतीय जनता पार्टी अंबाला इकाई से जुड़े और अनेक दायित्वों का निर्वहन किया।
- वह हरियाणा भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री बने।
- नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से हरियाणा राज्य चुनाव लड़ा और 24,361 मतों से विधायक का चुनाव जीतकर 2014 से 2019 तक हरियाणा विधानसभा के सदस्य बने।
- उन्होंने 2015 से 2019 तक हरियाणा सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।
- 2019 के राष्ट्रीय आम चुनाव में वह कुरुक्षेत्र से संसद सदस्य चुने गए।
- उन्हें 2023 से 2024 तक हरियाणा के भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।

- श्री सैनी ने पहली बार 12 मार्च, 2024 को हरियाणा के मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण किया था।
- लाडवा सीट से हरियाणा विधानसभा चुनाव जीता और पार्टी को राज्य में तीसरी बार ऐतिहासिक जीत दिलाई।
- 54 वर्षीय श्री सैनी को 16 अक्टूबर, 2024 को पंचकूला स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया।
- श्री नायब सिंह सैनी ने 17 अक्टूबर, 2024 को पद की शपथ ली और लगातार दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने।

नायब सिंह सैनी चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

श्री नायब सिंह सैनी को 16 अक्टूबर, 2024 को सर्वसम्मति से हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय पर्यवेक्षकों— केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की उपस्थिति में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। पंचकूला स्थित पंचकमल पार्टी कार्यालय में पार्टी के सभी 48 निर्वाचित विधायकों ने भाग लिया।

श्री सैनी के नाम का प्रस्ताव नरवाना के विधायक श्री कृष्ण कुमार बेदी ने रखा, जिसका समर्थन अंबाला कैंट के विधायक श्री अनिल विज ने किया और सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से इसे पारित किया।

श्री सैनी को हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता घोषित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि नरवाना विधायक श्री कृष्ण बेदी द्वारा केवल एक प्रस्ताव रखा गया था और श्री सैनी के पक्ष में अंबाला छावनी विधायक श्री अनिल विज द्वारा इसका समर्थन किया गया।

भाजपा विधायक दल के नेता बनने के बाद श्री नायब सिंह सैनी ने सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए चंडीगढ़ में हरियाणा राजभवन में राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय से भेंट की।

भाजपा सरकार हरियाणा को आगे बढ़ाने का कार्य करेगी: नायब सिंह सैनी

पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नई भाजपा सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा को तेज गति से आगे बढ़ाने का काम करेगी। हरियाणा की जनता ने मोदी सरकार की नीतियों पर भरोसा दिखाया है।

एक प्रश्न के जवाब में श्री सैनी ने कहा कि भाजपा के 'संकल्प पत्र' को पूरी तरह से लागू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारे 2014 के संकल्प पत्र और 2019 के संकल्प पत्र को देखिए, हमने उन्हें पूरी तरह से लागू किया और अब इस संकल्प पत्र को भी हमारी सरकार लागू करेगी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा ने हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीटें जीतकर इतिहास रचा। तीन निर्दलीय विधायकों ने भी पार्टी को समर्थन दिया है। 16 अक्टूबर, 2024 को पंचकूला स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। ■

एनडीए नेताओं की बैठक, चंडीगढ़

एनडीए ने समाज के सभी वर्गों का विश्वास और समर्थन हासिल किया है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर, 2024 को चंडीगढ़ में आयोजित एनडीए नेताओं की बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने इस सम्मेलन की सराहना करते हुए इसे 1975 के बाद गैर-कांग्रेसी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा समूह बताया। इस सम्मेलन में 17 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि ऐसी बैठकें हर साल दो बार होनी चाहिए। हरियाणा में नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात् इस बैठक का आयोजन किया गया।

हरियाणा की जीत को महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक बताते हुए श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि एनडीए ने समाज के सभी वर्गों का विश्वास और समर्थन हासिल किया है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे विपक्ष ने एनडीए के किसान विरोधी होने के झूठे आख्यान को पेश करने की कोशिश की, जबकि यह किसान ही थे जो एनडीए को आशीर्वाद देने के लिए बड़ी संख्या में बाहर आए थे। उन्होंने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को खारिज करने और उन्हें यह स्पष्ट संदेश देने के लिए हरियाणा के लोगों को धन्यवाद दिया कि वह एनडीए के विकास एवं सुशासन के एजेंडे के साथ खड़े हैं।

एनडीए सरकार आम नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है

श्री मोदी ने कहा कि आज एनडीए सरकार आम नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा कर रही है और अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं प्रदान करना एनडीए सरकार की विशिष्टता रही है, जिससे 2014 से जनता में सरकार के प्रति विश्वास कायम करने में मदद मिली है।

इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए कि सुशासन का अर्थ अंततः लोगों की समस्याओं का समाधान ढूंढना है, श्री मोदी ने कहा कि शिकायत निवारण पर ध्यान देने के साथ समाधान-केंद्रित शासन सभी एनडीए राज्य सरकारों की एक विशिष्ट पहचान है।

पिछले 10 वर्षों में 4.5 करोड़ पत्र प्राप्त हुए

प्रधानमंत्री ने यूपीए सरकार से तुलना करते हुए कहा कि उन्हें पिछले 10 वर्षों में 4.5 करोड़ पत्र प्राप्त हुए हैं, जबकि यूपीए सरकार के 10 वर्षों में 5 लाख पत्र प्राप्त हुए थे, जो एनडीए सरकार में लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

श्री मोदी ने कहा कि सुचारू शासन, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और शासन में पारदर्शिता ने एनडीए राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने में मदद की है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसका समर्थन नागालैंड के मुख्यमंत्री श्री नेफ्यू रियो एवं गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत ने किया।

'संविधान का अमृत महोत्सव'

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भारत के संविधान निर्माण की 75वीं वर्षगांठ को 'संविधान का अमृत महोत्सव' के रूप में मनाने के विषय पर एक प्रस्ताव पेश किया। इसके साथ ही उन्होंने संविधान की गरिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार हुआ है।

लोकतंत्र की हत्या का 50वां वर्ष

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने वर्ष 2025 को लोकतंत्र की हत्या के 50वें वर्ष के रूप में मनाने का प्रस्ताव पेश किया।

तीन अन्य प्रस्तावों में नेताओं ने वर्ष 2025 में भगवान बिरसा मुंडा एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती और अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी मनाने का भी संकल्प लिया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और एनडीए के वरिष्ठ नेता श्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विश्व स्तर पर भारत को गौरव दिलाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर विशेष रूप से जोर दिया।

जन-हितैषी सक्रिय सुशासन या पी2जी2

श्री मोदी ने जन-हितैषी सक्रिय सुशासन या पी2जी2 की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी एनडीए राज्यों, साथ ही इन राज्यों के मंत्रियों एवं विधायकों के बीच अधिक से अधिक संपर्क की आवश्यकता पर बल दिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनभागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि शासन में लोगों की भागीदारी से सरकार का बोझ कम हुआ है। उन्होंने एनडीए सरकार के देश के युवाओं से सीधे जुड़ने और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में शामिल करने की भी सराहना की।

टीबी मुक्त भारत के लिए एकजुट होकर काम करें

प्रधानमंत्री ने नेताओं से टीबी मुक्त भारत की दिशा में एकजुट होकर काम करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, अपशिष्ट प्रबंधन, बड़े शहरों को राज्यों के विकास का इंजन बनाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और कल्याण और विकास के 11 सूत्री कार्यक्रम को अपनाने का आग्रह किया।

श्री मोदी ने एनडीए नेताओं को सुझाव दिया कि वे एनडीए शासित राज्यों के शहरों के बीच स्वच्छतम पर्यटन स्थल, स्वच्छतम अस्पताल, स्वच्छतम पंचायत आदि के लिए प्रतिस्पर्धा आयोजित करें। ■

हम सब मिलकर 'विकसित भारत' के अपने सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने के लिए समर्पित हैं: जगत प्रकाश नड्डा

एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लेने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक्स पर पोस्ट किया, "चंडीगढ़ में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लिया।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार 'प्रो पीपल, प्रो एक्टिव और गुड गवर्नेंस' के सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। हम सब मिलकर 'विकसित भारत' के अपने सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने के लिए समर्पित हैं, जहां प्रत्येक नागरिक समृद्ध एवं समावेशी राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सके।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ में एनडीए नेताओं की बैठक में भाग लिया।
- प्रधानमंत्री ने इस बैठक की सराहना करते हुए इसे 1975 के बाद गैर-कांग्रेसी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा समूह बताया।
- शिकायत निवारण पर ध्यान देने के साथ समाधान-केंद्रित शासन सभी एनडीए राज्य सरकारों की विशिष्ट पहचान है।
- सुचारू शासन, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और शासन में पारदर्शिता ने एनडीए राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने में मदद की है।
- बैठक के दौरान नेताओं द्वारा छह प्रस्ताव पारित किये गये।
- जनभागीदारी पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शासन में लोगों की भागीदारी से सरकार का बोझ कम हुआ है।
- प्रधानमंत्री ने एनडीए सरकार के देश के युवाओं के साथ सीधे संपर्क और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में शामिल करने की भी सराहना की।
- श्री मोदी ने एनडीए नेताओं को सुझाव दिया कि वे एनडीए शासित राज्यों के शहरों के बीच स्वच्छतम पर्यटन स्थल, स्वच्छतम अस्पताल, स्वच्छतम पंचायतों के लिए प्रतिस्पर्धा आयोजित करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 16 अक्टूबर, 2024 को भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही, श्री मोदी भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बने। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री विनोद तावड़े उपस्थित रहे।

इसी क्रम में, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 अक्टूबर, 2024 को सक्रिय सदस्यता अभियान के अन्तर्गत भाजपा की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण कराया। अगले दिन 17 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भाजपा के राष्ट्रव्यापी 'सक्रिय सदस्यता अभियान' के अंतर्गत सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराया।

ध्यातव्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से 2 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय कार्यालय विस्तार में भाजपा राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 2024 का शुभारंभ हुआ था। सदस्यता का पहला चरण 2 सितंबर से 25 सितंबर तक चला, दूसरा चरण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 15 अक्टूबर तक चला और उसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक चलेगा

राष्ट्रीय सदस्यता अभियान जमीनी स्तर पर भाजपा को मजबूत करेगा : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर लिखा— "'विकसित भारत' बनाने के हमारे प्रयास को गति देते हुए! भाजपा कार्यकर्ता के रूप में आज हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी की उपस्थिति में प्रथम सक्रिय सदस्य बनने तथा सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पर मुझे गर्व है। यह एक ऐसा अभियान है जो जमीनी स्तर पर हमारी पार्टी को और मजबूत करेगा तथा राष्ट्रीय प्रगति के लिए हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा। सक्रिय सदस्य बनने के लिए एक कार्यकर्ता को एक बूथ या एक विधानसभा सीट पर 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा। ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के पदों के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। साथ ही, उन्हें आने वाले समय में पार्टी के लिए काम करने के कई अवसर मिलेंगे।"

श्री मोदी ने लिखा— "सक्रिय सदस्यता अभियान के द्वारा सक्रिय कार्यकर्ता बनाने की अनूठी पहल! मुझे बहुत गर्व है कि आज पार्टी कार्यकर्ता के रूप में मैं भाजपा का पहला सक्रिय सदस्य बना और इस अभियान की शुरुआत की। सक्रिय सदस्यता अभियान से पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को देश के लिए काम करने की नई ऊर्जा मिलेगी। सक्रिय सदस्य बनने पर ही आपको मंडल, जिला और राष्ट्रीय स्तर पर सेवा का अवसर मिलने वाला है। देशभर के कार्यकर्ताओं से मैं यह आह्वान करता हूं कि वे भी भाजपा के सक्रिय सदस्य बनें और इस अभियान को सशक्त करें।"

सक्रिय सदस्य के रूप में सदस्यता अभियान का हिस्सा बनें : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 'एक्स' पर लिखा— "आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी 'सक्रिय सदस्यता अभियान' के अंतर्गत सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कर गौरवान्वित हूं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आरंभ हुआ यह अभियान मंडल, जिला और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगा व कोटिशः कार्यकर्ताओं को 'विकसित भारत' निर्माण के संकल्प के साथ समाज सेवा करने के अवसर प्रदान करेगा। मैं समस्त कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि सक्रिय सदस्य के रूप में अभियान का हिस्सा बनें और संगठन को मजबूती प्रदान करें।"

राष्ट्र निर्माण के इस अभियान से जुड़िए : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 'एक्स' पर लिखा— "आज सक्रिय सदस्यता अभियान के अन्तर्गत भाजपा की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण किया। भाजपा की सक्रिय सदस्यता हर कार्यकर्ता को देश और समाज के निर्माण के लिए काम करने का अवसर देती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के इस अभियान से आप भी जुड़िए और पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण कीजिये।"

यह अभियान भाजपा को दुनिया की सबसे मजबूत पार्टी बनाएगा : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'एक्स' पर लिखा— "कल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनकर 'सक्रिय सदस्यता अभियान' की शुरुआत की। मैंने भी इस अभियान के तहत भाजपा की सक्रिय सदस्यता ली। भाजपा के कार्यकर्ता अपने बूथ या विधानसभा क्षेत्र में 50 नए सदस्यों को पंजीकृत कर सक्रिय सदस्य बन सकते हैं। यह अभियान न केवल भाजपा के सदस्यता अभियान को और अधिक गति प्रदान करेगा, बल्कि इसके माध्यम से राष्ट्रप्रथम को जीवन का ध्येय बनाने वाले सक्रिय सदस्य भी आगे आएंगे। यह अभियान भाजपा के कर्मठ, सुयोग्य व समर्पित कार्यकर्ताओं को उभारकर भाजपा को दुनिया की सबसे मजबूत पार्टी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।"

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी 22 अक्टूबर, 2024 को भाजपा के सक्रिय सदस्य बने। ■

पीएम गति शक्ति

भारत के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी का रूपांतरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान 'पीएम गति शक्ति' पहल की घोषणा की थी। मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए 13 अक्टूबर, 2021 को प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय मास्टर प्लान इस वर्ष अपनी तीसरी वर्षगांठ मनाने के लिए तैयार है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे तथा रोडवेज सहित विभिन्न मंत्रालयों को एक साथ लाने के लक्ष्य के साथ तैयार किया गया है। इस बहुआयामी पहल का उद्देश्य परिवहन के विभिन्न साधनों में लोगों, वस्तुओं एवं सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध व कुशल मार्ग संपर्क सुविधा प्रदान करना है, जिससे अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी बढ़ जाए और यात्रा का समय कम हो सके। पीएम गति शक्ति में विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, शुष्क/भूमि बंदरगाह तथा उड़ान जैसी बुनियादी ढांचा योजनाएं शामिल की गयी हैं

गति शक्ति: केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों की भागीदारी

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) में 44 केंद्रीय मंत्रालयों व 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को शामिल किया गया है और कुल 1,614 डेटा लेयर्स भी एकीकृत की गई हैं। डेटा सटीकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रमुख बुनियादी ढांचा मंत्रालयों ने त्रि-स्तरीय प्रणाली के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को अंतिम रूप दिया है। 8 बुनियादी ढांचा मंत्रालयों एवं 15 सामाजिक क्षेत्र मंत्रालयों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं को अधिसूचित किया गया है और अन्य मंत्रालयों तथा तैयार डेटा प्रबंधन के लिए 'पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर एक संग्रह' हितधारक की जिम्मेदारियों की रूपरेखा तैयार करता है।

'पीएम गति शक्ति खंड I और खंड II का एक संग्रह' विकसित तथा प्रारंभ किया गया है, जो पीएम गति शक्ति की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डालता है। पीएम गतिशक्ति सिद्धांतों का पालन करते हुए विभिन्न मंत्रालयों की 15.39 लाख करोड़ रुपये की 208 बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का आकलन करने का एक मील का पत्थर हासिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, रेल मंत्रालय के तीन आर्थिक गलियारों के तहत 434 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया है और इन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ साझा किया गया है। वे ऊर्जा, खनिज और सीमेंट गलियारे, उच्च यातायात घनत्व वाले गलियारे तथा रेल सागर हैं।

जिला स्तरीय एकीकरण

पीएम गतिशक्ति को जिला स्तर तक विस्तारित करने के लिए एक जिला मास्टर प्लान (डीएमपी) पोर्टल विकसित किया जा रहा है। यह पोर्टल जिला अधिकारियों को सहयोगात्मक योजना बनाने, बुनियादी ढांचे की कमी की पहचान और योजना कार्यान्वयन में सहायता करेगा। 28 आकांक्षी जिलों के लिए इस पोर्टल का बीटा संस्करण पहले ही बनाया जा चुका है और 18 सितंबर, 2024 को इन जिलों को उपयोगकर्ता खाते प्रदान किए गए थे। अक्टूबर, 2024 में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के साथ पोर्टल का ट्रायल रन जारी है। देश के सभी जिलों के लिए डीएमपी पोर्टल चरणबद्ध तरीके से विकसित कर 31 मार्च, 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के तहत प्रमुख उपलब्धियां

पीएम गतिशक्ति एनएमपी के परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में कई उपलब्धियां हासिल हुई हैं, जिससे परियोजना की मुख्य योजना, गति और निष्पादन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग करके 8,891 किलोमीटर से अधिक सड़कों की योजना बनाई, जबकि रेल मंत्रालय (एमओआर) ने 27,000 किलोमीटर से अधिक रेलवे लाइनों की योजना बनाने के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग किया। रेल मंत्रालय ने अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) को पूरा करने में भी तेजी लाई, वित्त वर्ष 2021 में 57 की तुलना में वित्त वर्ष 22 में 449 एफएलएस पूरे किए हैं।
- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने डिटेल रूट सर्वे (डीआरएस) की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया, जिससे इलेक्ट्रॉनिक डीआरएस (ईडीआरएस) का उपयोग करके रिपोर्ट बनाने के लिए आवश्यक समय 6-9 महीने से घटाकर केवल एक दिन कर दिया गया।
- राष्ट्रीय मास्टर प्लान सिद्धांतों का उपयोग करते हुए लेह (लद्दाख) से कैथल (हरियाणा) तक 13 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना ने अंतर-राज्य ट्रांसमिशन के लिए 'ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर' का इष्टतम संरेखण हासिल किया।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग करके 8,891 किलोमीटर से अधिक सड़कों की योजना बनाई, जबकि रेल मंत्रालय (एमओआर) ने 27,000 किलोमीटर से अधिक रेलवे लाइनों की योजना बनाने के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग किया

- गोवा ने अमोना नदी के किनारे बाढ़ प्रवण क्षेत्रों के लिए आपदा प्रबंधन योजना विकसित करने के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान मंच का उपयोग किया है।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने पहुंच पोर्टल के माध्यम से वंचित क्षेत्रों में नए स्कूलों के लिए स्थानों की पहचान करने के लिए राज्य मास्टर प्लान (एसएमपी) पोर्टल का उपयोग किया।
- गुजरात ने राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग करके अपने 300 किलोमीटर के तटीय गलियारे की योजना बनाई, जिससे मंजूरी के लिए आवश्यक एनओसी अनुमतियों की संख्या 28 से कम होकर 13 हो गई, जिससे पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ चार जिलों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ गई।
- स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने जिला-विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण के लिए पीएम श्री स्कूलों को स्थानीय उद्योगों से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान पोर्टल का उपयोग किया।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग करके नई स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए इंटरनेट छाया क्षेत्रों की पहचान की और साइटों की मैपिंग की।
- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने आर्थिक समूहों के पास नए प्रशिक्षण संस्थानों के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग किया।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बेहतर संपत्ति योजना और कार्यान्वयन के लिए पीएमजीएसवाई तथा पीएमएवाई-जी जैसी योजनाओं को एकीकृत किया है।
- जनजातीय कार्य मंत्रालय ने पीएम जनमन पोर्टल का उपयोग करके विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के लिए बुनियादी ढांचे की कमी की पहचान की है।

ये सभी उपलब्धियां विभिन्न मंत्रालयों और क्षेत्रों में योजना, दक्षता तथा सहयोग में सुधार लाने में राष्ट्रीय मास्टर प्लान की व्यापक उपयोगिता को उजागर करती हैं।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) 2022 प्रगति और प्रमुख पहल

एकीकृत, कुशल और लागत प्रभावी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बनाकर भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 17 सितंबर, 2022 को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) शुरू की गई। इस नीति का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और भारत की लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक (एलपीआई) रैंकिंग में सुधार कर उसे 2030 तक शीर्ष 25 देशों में लाना तथा डेटा संचालित निर्णय लेने को बढ़ावा देना है। इसका कार्यान्वयन व्यापक लॉजिस्टिक्स कार्य योजना (सीएलएपी) द्वारा संचालित है, जो डिजिटल लॉजिस्टिक्स सिस्टम, परिसंपत्ति मानकीकरण, मानव संसाधन विकास, राज्यों की सहभागिता और ईएक्सआईएम लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। नीति में क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के सहयोग से प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण प्रयासों पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण मॉड्यूल को वेबिनार, कार्यशालाओं और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से केंद्रीय व प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के साथ एकीकृत किया गया है।

राज्य लॉजिस्टिक्स योजनाएं (एसएलपी): 26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने सार्वजनिक नीति में लॉजिस्टिक्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी राज्य लॉजिस्टिक्स नीतियों को अधिसूचित करके राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के साथ तालमेल स्थापित किया है।

लीड्स सर्वेक्षण: विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स सुगमता (लीड्स) रिपोर्ट का पांचवां संस्करण दिसंबर, 2023 में पेश किया

गया था, जिसका छठा संस्करण जनवरी, 2024 में जारी किया गया। लीड्स राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बुनियादी ढांचे व सेवाओं के आधार पर लॉजिस्टिक्स सुगमता का आकलन करता है।

एकीकृत लॉजिस्टिक्स एकीकृत प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी): यूएलआईपी 10 मंत्रालयों में 33 लॉजिस्टिक्स-संबंधित प्रणालियों को एकीकृत करता है, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलता है। वर्तमान में 930 से अधिक निजी कंपनियां पंजीकृत हैं, जिनमें से 95 आवेदन सक्रिय हैं और 185 कंपनियों ने एनडीए पर हस्ताक्षर किए हैं। एकीकृत लॉजिस्टिक्स एकीकृत प्लेटफॉर्म संपूर्ण कार्गो ट्रैकिंग के लिए जीएसटी डेटा को भी एकीकृत करता है।

लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी): भारत के कंटेनराइज्ड एक्जिम कार्गो की 100% ट्रैकिंग और ट्रेसिंग के लिए लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी) विकसित किया गया है। लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक भारत में एक्जिम कंटेनर मूवमेंट की वास्तविक समय ट्रैकिंग प्रदान करने के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), बिग डेटा और क्लाउड-आधारित समाधानों के माध्यम से आरएफआईडी प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। यह एकल विंडो, क्लाउड-आधारित लॉजिस्टिक्स विज़ुअलाइजेशन समाधान है, जो बंदरगाहों से लेकर अंतर्देशीय कंटेनर डिपो/कंटेनर फ्रेट स्टेशनों तक तथा बंदरगाह से जुड़े पार्किंग प्लाजा, टोल प्लाजा और रेलवे तक केवल कंटेनर नंबरों का उपयोग करके कंटेनर की आवाजाही पर चौकसी रखता है।

एलपीआई रैंक में सुधार

छह एलपीआई मापदंडों में रसद चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई मंत्रालयों (एमओआरटीएच, एमओआर, एमओपीएसडब्ल्यू, एमओसीए) को शामिल करते हुए एक समर्पित एलपीआई कार्य योजना बनाई गई है। विश्व बैंक के साथ निरंतर सहयोग के परिणामस्वरूप लॉजिस्टिक्स दक्षता, सुधार तथा एलपीआई पद्धति पर चर्चा हुई है और साथ ही फरवरी, 2024 में एक राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की गई है।

नीति में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और कोरिया की एलपीआई सुधार रणनीतियों के साथ सहयोग करते हुए सर्वोत्तम वैश्विक कार्य प्रणालियों को शामिल किया गया है। भारत के लिए नवीन दृष्टिकोण और रसद सुधारों पर चर्चा करने के लिए मार्च, 2024 में अमेरिका में विश्व बैंक के साथ एक गोलमेज बैठक आयोजित की गई।

इन प्रयासों के माध्यम से एनएलपी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हुए भारत को अधिक कुशल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम की ओर ले जा रहा है।

गति शक्ति संचार पोर्टल

देश भर में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड सेवाओं तक सार्वभौमिक एवं समान पहुंच उपलब्ध कराना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबसे महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में से एक है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप ही 14 मई, 2022 को केंद्रीकृत राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) अनुमोदन के लिए गति शक्ति संचार पोर्टल प्रारंभ किया गया था।

गति शक्ति संचार पोर्टल दूरसंचार अवसंरचना को तेजी से क्रियान्वित करने के लिए किया गया एक बड़ा सुधार है। यह एक केंद्रीकृत राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) पोर्टल है, जो दूरसंचार सेवा प्रदाताओं/बुनियादी ढांचा प्रदाताओं/इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (टीएसपी/आईपी/आईएसपी) जैसे आवेदकों को आरओडब्ल्यू अनुमोदन के लिए आवेदन करने में सक्षम बनाता है। इस पर 11 अक्टूबर, 2024 तक 2.11 लाख आवेदन स्वीकृत किये जा चुके हैं।

इस पोर्टल को सभी 36 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों व संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों अर्थात रेल मंत्रालय (एमओआर), सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) तथा रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के साथ एकीकृत किया गया है।

भारत में 5जी सेवाएं 1 अक्टूबर, 2022 को शुरू की गयी थीं। 13 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने 5जी सेवाओं का उपयोग करना शुरू कर दिया है, जिससे यह दुनिया में कहीं भी 5जी का सबसे तेज रोल आउट बन गया है। देश में दूरसंचार कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए सरकार विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित कर रही हैं।

- लगभग 55 हजार गांवों को 4जी कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 41,331 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ कुल 41,160 मोबाइल टावरों को मंजूरी दी गई है।
- भारत नेट कार्यक्रम का दायरा बढ़ाकर सभी बसे हुए गांवों को 1.88 लाख करोड़ रुपये की लागत से जोड़ा गया है।

निष्कर्ष

पीएम गति शक्ति परियोजना भारत में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है, जिसका उद्देश्य एक निर्बाध व कुशल मल्टीमॉडल परिवहन नेटवर्क स्थापित करना है। विभिन्न मंत्रालयों के प्रयासों को एकीकृत करके तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर इस पहल का लक्ष्य पूरे देश में कनेक्टिविटी को बढ़ाना और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना है। गति शक्ति संचार पोर्टल इस परियोजना से संबंधित अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करके दूरसंचार अवसंरचना को तेजी से लागू करने और देश भर में 5जी सेवाओं की तेजी से तैनाती की सुविधा प्रदान करके इस दृष्टिकोण का व्यापक सहयोग करता है। इन संयुक्त प्रयासों से भारत आत्मनिर्भरता के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने की स्थिति में है। ■

परिवर्तनकारी विकास का एक दशक

भारत की विनिर्माण क्रांति ने गति पकड़ी; नवाचार, निवेश और आत्मनिर्भरता पर जोर

भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में सशक्त बनाने के लिए 25 सितंबर, 2014 को शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल एक ऐतिहासिक दशक पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इस कार्यक्रम ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, नवाचार में वृद्धि करने, कौशल विकास में बढ़ोतरी और विदेशी निवेश को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

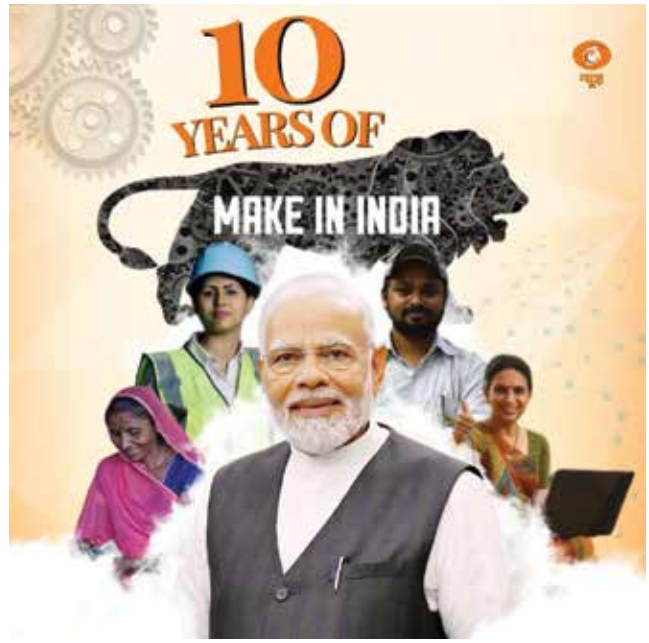

'मेक इन इंडिया' के महत्वपूर्ण प्रभाव

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

भारत ने 2014 से 667.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2014-24) का संचयी एफडीआई प्रवाह आकर्षित किया है, जो पिछले दशक (2004-14) की तुलना में 119 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह निवेश 31 राज्यों और 57 क्षेत्रों में हुआ है, जो विविध उद्योगों में विकास को बढ़ावा देता है। कुछ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्र स्वतः 100 प्रतिशत एफडीआई के लिए खुले हैं।

पिछले दशक (2014-24) के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 165.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो इससे पिछले दशक (2004-14) की तुलना में 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जिसमें 97.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रवाह शामिल है।

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना

2020 में शुरू की गई पीएलआई योजनाओं के परिणामस्वरूप जून, 2024 तक 1.32 लाख करोड़ रुपए (यूएसडी 16 बिलियन) का निवेश और विनिर्माण उत्पादन में 10.90 लाख करोड़ रुपए (यूएसडी 130 बिलियन) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस पहल के कारण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 8.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

निर्यात और रोजगार

वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का व्यापारिक निर्यात 437 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। निर्यात में उछाल आया है और पीएलआई योजनाओं के कारण अतिरिक्त 4 लाख करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं, जबकि विनिर्माण क्षेत्र में कुल रोजगार 2017-18 के मुकाबले 57 मिलियन से बढ़कर 2022-23 में 64.4 मिलियन हो गया है।

व्यापार करने में आसानी

विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट में 2014 में 142वें स्थान से 2019 में 63वें स्थान पर पहुंचने से व्यापार की स्थिति में सुधार के लिए भारत की प्रतिबद्धता स्पष्ट है। इस दौरान 42,000 से अधिक अनुपालन कम किए गए हैं और 3,700 प्रावधानों को अपराधमुक्त किया गया है। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम 2023, 27 जुलाई, 2023 को लोकसभा और 2 अगस्त, 2023 को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया, जिसने 42 केंद्रीय अधिनियमों में 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त कर दिया है।

प्रमुख सुधार

सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकास

76,000 करोड़ की लागत वाले सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम का उद्देश्य पूंजी समर्थन और तकनीकी सहयोग की सुविधा देकर सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण को बढ़ावा देना है। भारत ने सेमीकंडक्टर तंत्र के हर क्षेत्र को सहारा देने के लिए नीतियां विकसित की हैं, जिसमें न केवल फ़ैब्स पर ध्यान केंद्रित किया गया है, बल्कि पैकेजिंग, डिस्प्ले वायर, ओएसएटी, सेंसर और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस)

सितंबर, 2021 में शुरू किया गया यह प्लेटफॉर्म निवेशक अनुभव को सरल बनाता है। यह मंच 32 मंत्रालयों/विभागों और 29 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से मंजूरी को एकीकृत करता है, जिससे त्वरित

'मेक इन इंडिया' 140 करोड़ देशवासियों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि 'मेक इन इंडिया' देश को विनिर्माण और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने सभी संभव तरीकों से 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "आज, 'मेक इन इंडिया' के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूं जो पिछले एक दशक से इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। 'मेक इन इंडिया' हमारे देश को विनिर्माण और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात में वृद्धि हुई है, क्षमता का निर्माण हुआ है और इस प्रकार अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।"

उन्होंने कहा कि भारत सरकार सभी संभव तरीकों से 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुधारों में भारत की प्रगति भी जारी रहेगी। हम सब मिलकर एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

अनुमोदन की सुविधा मिलती है।

पीएम गतिशक्ति

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी), सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के पोर्टलों के साथ एक जीआईएस आधारित मंच है, जो अक्टूबर, 2021 में लॉन्च किया गया था। यह मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचे की एकीकृत योजना से संबंधित डेटा-आधारित निर्णयों को सुविधाजनक बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है, जिससे सामग्री लागत कम हो जाती है।

राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी)

लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 2022 में शुरू की गई एनएलपी, भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

औद्योगिक गलियारे और बुनियादी ढांचा

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 11 औद्योगिक गलियारों के विकास में 28,602 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 12 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। ये गलियारे विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करके भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)

पूरे भारत में स्वदेशी उत्पादों और शिल्प कौशल को बढ़ावा देते हुए ओडीओपी पहल ने स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। इन अद्वितीय उत्पादों के लिए मंच प्रदान करने के लिए 27 राज्यों में यूनिटी मॉल स्थापित किए जा रहे हैं।

स्टार्टअप इंडिया

नवाचार को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से सरकार ने 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सरकार के निरंतर प्रयासों से 30 जून, 2024 तक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या बढ़कर 1,40,803 हो गई है, जिससे 15.5 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

भारत सरकार ने घरेलू और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे एक मजबूत और गतिशील आर्थिक माहौल को बढ़ावा मिला है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और कॉर्पोरेट कर में कटौती जैसे ऐतिहासिक सुधारों से लेकर व्यापार करने में आसानी और एफडीआई नीतियों को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से दूरगामी उपायों तक, हर कदम एक अधिक निवेश-अनुकूल तंत्र बनाने की दिशा में प्रयास जारी है। चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी), सार्वजनिक खरीद आदेश और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जैसी पहल घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित हैं।

कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों के प्रति सरकार की सक्रिय प्रतिक्रिया, आत्मनिर्भर भारत पैकेजों और राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) तथा राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के अंतर्गत लक्षित निवेशों के माध्यम से प्रतिकूल परिस्थितियों को विकास के अवसर में बदल दिया गया है। इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक (आईआईएलबी), इंडस्ट्रियल पार्क रेटिंग सिस्टम (आईपीआरएस) और नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम (एनएसडब्लूएस) जैसी पहल निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को और अधिक सुव्यवस्थित करती है।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न मंत्रालयों में परियोजना विकास प्रकोष्ठ (पीडीसी) यह सुनिश्चित करते हैं कि निवेश प्रस्तावों पर तेजी से काम हो, जिससे भारत वैश्विक और घरेलू निवेशकों के लिए अधिक पसंदीदा स्थान बन सके। ये प्रयास सामूहिक रूप से विनिर्माण और नवाचार के लिए एक उभरते हुए केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं।

जिस प्रकार भारत विकास के अगले दशक में प्रवेश कर रहा है, 'मेक इन इंडिया' 2.0 का लक्ष्य स्थिरता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने पर है। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकियों और उन्नत विनिर्माण में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के साथ यह पहल सुनिश्चित कर रही है कि भारतीय उत्पाद उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा कर सकें। ■

रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को मिली मंजूरी

चना, गेहूं, कुसुम और जौ के लिए क्रमशः 210 रुपये प्रति क्विंटल, 150 रुपये प्रति क्विंटल, 140 रुपये प्रति क्विंटल और 130 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 16 अक्टूबर को विपणन सत्र 2025-26 के लिए सभी अधिदेशित रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार ने विपणन सत्र 2025-26 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि रेपसीड और सरसों के लिए 300 रुपये प्रति क्विंटल तथा मसूर के लिए 275 रुपये प्रति क्विंटल की घोषणा की गई है। चना, गेहूं, कुसुम और जौ के लिए क्रमशः 210 रुपये प्रति क्विंटल, 150 रुपये प्रति क्विंटल, 140 रुपये प्रति क्विंटल और 130 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

विपणन सत्र 2025-26 के लिए सभी रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (रु. प्रति क्विंटल)

क्र. सं.	फसले	एमएसपी आरएमएस 2025-26	उत्पादन लागत आरएमएस 2025-26	लागत पर अंतर (मार्जिन) (प्रतिशत में)	एमएसपी आरएमएस 2024-25	एमएसपी में वृद्धि (पूर्ण)
1	गेहूं	2425	1182	105	2275	150
2	जौ	1980	1239	60	1850	130
3	चना	5650	3527	60	5440	210
4	मसूर	6700	3537	89	6425	275
5	रेपसीड और सरसों	5950	3011	98	5650	300
6	कुसुम	5940	3960	50	5800	140

विपणन सत्र 2025-26 के लिए अधिदेशित रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि, अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है। अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर अपेक्षित अंतर (मार्जिन) गेहूं के लिए 105 प्रतिशत है, इसके बाद यह रेपसीड और सरसों के लिए 98 प्रतिशत; मसूर के लिए 89 प्रतिशत; चना के लिए 60 प्रतिशत; जौ के लिए 60 प्रतिशत और कुसुम के लिए 50 प्रतिशत है। रबी फसलों के एमएसपी में की गई इस वृद्धि से किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा। ■

ईपीएफओ ने अगस्त, 2024 के दौरान 18 लाख 53 हज़ार सदस्य जोड़े

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अगस्त, 2024 के लिए प्रोविशनल पेरोल डेटा जारी किया है। इसमें अगस्त, 2024 के महीने में 18 लाख 53 हज़ार सदस्यों की वृद्धि हुई है। यह अगस्त, 2023 की तुलना में 9.07 प्रतिशत की साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्शाता है। 20 अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह रोजगार के अवसरों में वृद्धि और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दिखता है। इसे ईपीएफओ की प्रभावी आउटरीच पहलों द्वारा बल मिला है।

18 से 25 वर्ष का समूह नई सदस्यता में सबसे आगे

डेटा का एक उल्लेखनीय पहलू 18 से 25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जो अगस्त, 2024 में शामिल किये गए कुल नए सदस्यों का महत्वपूर्ण 59.26 प्रतिशत है। इसके अलावा अगस्त, 2024 के लिए 18 से 25 आयु वर्ग के लिए शुद्ध पेरोल डेटा 8 लाख 6 हज़ार है। यह पहले के रुझान के अनुरूप है, यह दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा और मुख्य रूप से पहली बार नौकरी चाहने वाले हैं।

महिला सदस्यता में बढ़ोतरी

पेरोल डेटा के जेंडर-वार विश्लेषण से पता चलता है कि महीने के दौरान शामिल नए सदस्यों में से लगभग 2 लाख 53 हज़ार नई महिला सदस्य हैं। यह आंकड़ा अगस्त, 2023 की तुलना में साल-दर-साल 3.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। साथ ही, महीने के दौरान शुद्ध महिला सदस्य जुड़ाव लगभग 3 लाख 79 हज़ार रहा। यह अगस्त, 2023 की तुलना में 10.41 प्रतिशत की साल दर साल वृद्धि को दर्शाता है। महिला सदस्यों में वृद्धि अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है। ■

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने गंगा नदी पर एक नए रेल-सह-सड़क सेतु सहित वाराणसी-पं. दीनदयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को दी मंजूरी

इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 2,642 करोड़ रुपये (लगभग) है और यह चार वर्षों में पूरी होगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 16 अक्टूबर को रेल मंत्रालय की एक परियोजना को मंजूरी दे दी, जिसकी कुल अनुमानित लागत 2,642 करोड़ रुपये (लगभग) है। यह प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास उपलब्ध कराते हुए परिचालन को आसान बनाएगी और भीड़भाड़ को कम करेगी। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरेगी।

वाराणसी रेलवे स्टेशन, भारतीय रेलवे का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है। यह रेलवे स्टेशन प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों एवं स्थानीय आबादी के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यात्री और माल ढुलाई, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण वाराणसी-पं. दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन मार्ग कोयला, सीमेंट एवं खाद्यान्न जैसे सामानों के परिवहन के साथ-साथ बढ़ते पर्यटन एवं उद्योग जगत की मांगों को पूरा करने में अपनी भूमिका के कारण भारी भीड़भाड़ का सामना करता है। इस समस्या के समाधान के लिए बुनियादी ढांचे के उन्नयन की आवश्यकता है, जिसमें गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क सेतु और तीसरी एवं चौथी रेलवे लाइनों का निर्माण शामिल है।

इन संवर्द्धनों का उद्देश्य क्षमता व दक्षता को बेहतर बनाना और इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायता करना है। इस खंड में भीड़भाड़ से राहत के अलावा प्रस्तावित खंड पर 27.83 एमटीपीए माल ढुलाई का अनुमान है। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी से संबंधित पीएम-गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो समन्वित योजना निर्माण के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं एवं सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

उत्तर प्रदेश के दो जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 30 किलोमीटर की वृद्धि होगी। ■

केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि और टिकाऊ शहरों क्षेत्रों में 3 एआई उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की घोषणा की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा, कृषि और टिकाऊ शहरों पर केंद्रित तीन एआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के स्थापना की घोषणा की। श्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में आशा व्यक्त की कि तीन एआई-सीओई वैश्विक सार्वजनिक कल्याण के मंदिर के रूप में उभरेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रों के अनावरण के साथ वैश्विक एआई परिदृश्य में भारत की साख को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए इन तीन सीओई का नेतृत्व उद्योग भागीदारों और स्टार्टअप के साथ मिलकर शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया जाएगा। वे अंतःविषय अनुसंधान करेंगे, अत्याधुनिक अनुप्रयोग विकसित करेंगे और इन तीन क्षेत्रों में बडे पैमाने पर समाधान तैयार करेंगे। इस पहल का उद्देश्य एक प्रभावी एआई इकोसिस्टम को प्रेरित करना और इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधनों का पोषण करना है।

'भारत में एआई बनाएं और एआई को भारत के लिए काम करें' के दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में इन केंद्रों की स्थापना की घोषणा 2023-24 के बजट घोषणा के पैरा 60 के अंतर्गत की गई थी। इसके अनुरूप सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 से वित्तीय वर्ष 2027-28 की अवधि में 990.00 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ तीन एआई उत्कृष्टता केंद्रों के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री ने तीन एआई उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की सराहना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि और दीर्घकालिक शहरों पर केंद्रित तीन एआई उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की सराहना की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, "प्रौद्योगिकी, नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अग्रणी बनने के भारत के प्रयास में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है। मुझे विश्वास है कि ये सीओई हमारी युवा शक्ति को लाभान्वित करेंगे और भारत को भविष्य के विकास का केंद्र बनाने में योगदान देंगे।" ■

सीमा सड़क संगठन की 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित

ये परियोजनाएं (22 सड़कें, 51 पुल और दो अन्य) 11 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में फैली हुई हैं

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 12 अक्टूबर को 2,236 करोड़ रुपये की लागत के सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 75 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को राष्ट्र को वर्चुअल माध्यम से समर्पित किया। ये परियोजनाएं (22 सड़कें, 51 पुल और दो अन्य) 11 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। 19 जम्मू और कश्मीर में, 18 अरुणाचल प्रदेश में, 11 लद्दाख में, 9 उत्तराखंड में, 6 सिक्किम में, 5 हिमाचल प्रदेश में, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में दो-दो और एक-एक नागालैंड, मिजोरम तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हैं।

रक्षा मंत्री ने पश्चिम बंगाल के सुकना में त्रिशक्ति कोर के मुख्यालय से परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें मुख्य आकर्षण में से एक सिक्किम में कुपुप-शेरथांग रोड का उद्घाटन था, जो जवाहर लाल नेहरू मार्ग और जुलुक अक्ष के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क के रूप में कार्य करता है।

इन 75 परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ बीआरओ ने 2024 में 3,751 करोड़ रुपये की कुल लागत से कुल 111 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी की हैं। इसमें 1,508 करोड़ रुपये की 36 परियोजनाएं शामिल हैं, जैसे अरुणाचल प्रदेश में अत्याधुनिक सेला सुरंग, जिसका उद्घाटन इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। पिछले साल बीआरओ की 3,611 करोड़ रुपये की लागत की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गईं।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में सीमा पर बुनियादी ढांचे को और अधिक शीघ्रता से मजबूत करने का लक्ष्य रखती है। केंद्रीय बजट 2024-25 में बीआरओ के लिए 6,500 करोड़ रुपये के बढ़े हुए आवंटन का उल्लेख करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि यह न केवल रणनीतिक बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देगा, बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक प्रगति में भी सहायक होगा। ■

नमामि गंगे मिशन 2.0: उत्तर प्रदेश और बिहार में सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी 4 बड़ी परियोजनाएं हुईं पूरी

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 17 अक्टूबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नमामि गंगे मिशन 2.0 के तहत जल शक्ति मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में चार प्रमुख परियोजनाएं पूरी कीं। उत्तर प्रदेश और बिहार में स्थित ये परियोजनाएं विशेष रूप से सीवेज को नदी में गिरने से रोकने पर केंद्रित हैं, जिससे जल गुणवत्ता में सुधार होगा और नदियों का कायाकल्प होगा। इन परियोजनाओं से गंगा नदी की पवित्रता और उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता को बनाए रखने में मदद मिलेगी, जो देश के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन परियोजनाओं की कुल लागत 492 करोड़ रुपए हैं, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में अपशिष्ट जल उपचार को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं में बिहार पटना के दानापुर में इंटरसेप्शन और डायवर्जन नेटवर्क के साथ 25 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी लागत 103 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त मनेर में भी 6.5 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी और इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन नेटवर्क का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी कुल लागत 70 करोड़ रुपये है।

वहीं, उत्तर प्रदेश के कैराना में 15 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी और इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन नेटवर्क का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी लागत 78 करोड़ रुपए है। यमुना नदी पर स्थित यह परियोजना डीबीओटी मॉडल पर आधारित है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में गोमती नदी के कायाकल्प के लिए एक प्रमुख परियोजना के तहत 241 करोड़ रुपये की कुल लागत से 39 एमएलडी एसटीपी का सफलतापूर्वक निर्माण पूरा किया जा चुका है।

विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से नमामि गंगे-II के तहत स्वीकृत सहारनपुर परियोजना के विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सहारनपुर में हिंडन नदी की सहायक नदियों, पावंधोई और धमोला, के संरक्षण के लिए त्रिपक्षीय समझौता किया गया है। यह समझौता एनएमसीजी, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) और मेसर्स ईआईईएल इंफ्रा इंजीनियर्स (सहारनपुर) प्राइवेट लिमिटेड (मेसर्स एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स लिमिटेड, मेसर्स भुगन इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड, और मेसर्स माइक्रो ट्रांसमिशन सिस्टम के एसपीवी का एक संघ है) के बीच हस्ताक्षरित किया गया।

इस परियोजना में 135 एमएलडी क्षमता का एसटीपी, सीवेज पंपिंग स्टेशन और इंटरसेप्शन संरचनाओं का निर्माण शामिल है, जिसकी कुल लागत 344 करोड़ रुपये है। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युटी पीपीपी मॉडल पर संचालित होगी और इसमें 15 वर्षों का संचालन और रखरखाव प्रावधान शामिल है। ■

मोदी स्टोरी

गुजरात की गिफ्ट सिटी का विचार मोदी जी के दिमाग में तीन दशक पहले अमेरिका की यात्रा के दौरान आया

—सीके पटेल, एनआरआई (अमेरिका)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हमेशा से भारत में एक जीवंत आर्थिक केंद्र स्थापित करने के विचार के पक्ष में रहे हैं, जिसे उन्होंने गुजरात में गिफ्ट सिटी के रूप में साकार किया। उनके एक सहयोगी ने इस परियोजना के लिए एक संदर्भ बिंदु के रूप में 1990 के दशक में उनकी अमेरिका यात्रा का उल्लेख किया।

गुजरात के एक व्यवसायी श्री सी.के. पटेल के अनुसार जब श्री मोदी 1997 में अमेरिका की यात्रा पर गए थे, तो वे लॉस एंजिल्स के केंद्रीय व्यापारिक जिले के बारे में बहुत उत्सुक थे। "एक रात, मैं उन्हें डाउनटाउन लॉस एंजिल्स ले गया। उस सैर के दौरान 'गिफ्ट सिटी' के लिए उनके विजन ने आकार लेना शुरू कर दिया था। श्री पटेल बताते है कि जब वह इस क्षेत्र में घूम रहे थे, तो नरेन्द्रभाई ने कहा 'डाउनटाउन गगनचुंबी इमारतों वाला एक सघन क्षेत्र है। यह वह जगह है जहां अर्थव्यवस्था फलती-फूलती है, जहां बैंक, कॉर्पोरेट कार्यालय एवं बड़े संस्थान शहर को आगे बढ़ाते हैं।"

श्री पटेल के अनुसार श्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका में जो देखा, संभवतः उसी ने गुजरात में गिफ्ट सिटी बनने के लिए उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब वह श्री मोदी के साथ लॉस एंजिल्स में समुद्र तट पर गए, तो श्री मोदी ने ऊंची इमारतें, पर्यटक और चहल-पहल वाले रेस्तरां देखे। उन्होंने पूछा, "हम (गुजरात) इसी तरह क्यों नहीं विकसित हो सकते? वहां भी यहां की तरह विशाल तटरेखा है।"

श्री पटेल ने कहा, "यह देखना दिलचस्प था कि श्री मोदी ने अमेरिका में जो कुछ भी देखा, उसे भारत के संभावित विकास से कैसे जोड़ा। जब भी उन्हें कुछ नया दिखाई देता, तो वह सवाल पूछते और इसे इस बात से जोड़ते कि यह हमारे देश के लिए कैसे फायदेमंद हो सकता है।"

श्री पटेल ने बताया कि इस दौरान जब वह एक बार गाड़ी चला रहे थे, तब एक और घटना हुई। श्री मोदी ने गाड़ी के सड़क किनारे जाने पर एक अजीब सी आवाज सुनी। इस पर उत्सुकता से उन्होंने मुझसे पूछा, "यह आवाज क्या है? यह आवाज उस शोर जैसी है जो आपको पंचर टायर के दौरान सुनाई देती है। ऐसा क्यों हो रहा है?"

श्री पटेल ने कहा, "मैंने उन्हें समझाया कि टायरों में कोई समस्या नहीं है। दरअसल, अमेरिका में सड़कें इस तरह बनाई जाती हैं कि जब वाहन सड़क से उतरने लगते हैं तो वे आवाज करने लगती हैं।" श्री मोदी हमेशा से नई तकनीकों के बारे में बहुत उत्सुक रहे हैं और जानना चाहते थे कि ये सड़कें कैसे बनाई गईं। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

हरिनारायण अरोड़ा

पोर्ट ब्लेयर के स्वयंसेवक श्री हरिनारायण अरोड़ा ने 1962 में हिंदी साहित्य कला परिषद् की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने प्रशासन से वार्षिक अनुदान प्राप्त कर हिंदी कक्षाओं एवं वार्षिक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया। उन्होंने पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम भी आयोजित किए।

1975 में श्री हरिनारायण अरोड़ा इन द्वीपों में विश्व हिंदू परिषद् की स्थापना करने में अग्रणी रहे। उनकी लगन के कारण ही हिंदू संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं हिंदू दर्शन और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पोर्ट ब्लेयर में विश्व हिंदू परिषद् की शाखा खोली गई। वह लगभग छह वर्षों तक परिषद् के अध्यक्ष भी रहे। श्री हरिनारायण अरोड़ा हमेशा समाज सेवा और गरीबों एवं जरूरतमंदों की मदद करने में आगे रहते थे। ■

हरिनारायण अरोड़ा
जन्म: 10 दिसंबर, 1927
सक्रिय वर्ष: 1999-2004
जिला: पोर्ट ब्लेयर, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह

आइए, पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करें!

लोथल में हमारी समुद्री विरासत का सम्मान

अहमदाबाद के पास स्थित 'लोथल' दुनिया का सबसे पुराना डॉकयार्ड है, जो कभी सभ्यताओं, विचारों और निश्चित रूप से सामानों के आदान-प्रदान के लिए एक जीवंत स्थान हुआ करता था। उत्खनन से पता चलता है कि लोथल एक महत्वपूर्ण समुद्री केंद्र रहा है

नरेन्द्र मोदी

मुझे हाल ही में हुए एक उल्लेखनीय पहल के बारे में लिखते हुए बहुत खुशी हो रही है। पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। अब, आप पूछ सकते हैं— मैं इसके बारे में यहां क्यों लिख रहा हूं? चलिए मैं आपको बताता हूं कि क्यों?

अहमदाबाद के पास स्थित 'लोथल' दुनिया का सबसे पुराना डॉकयार्ड है, जो कभी सभ्यताओं, विचारों और निश्चित रूप से सामानों के आदान-प्रदान के लिए एक जीवंत स्थान हुआ करता था। उत्खनन से पता चला है कि लोथल एक महत्वपूर्ण समुद्री केंद्र था। हजारों साल पहले बना यह 'डॉक' हमारे पूर्वजों की सरलता की भावना को उजागर करता है। इसकी उन्नत इंजीनियरिंग और शहरी नियोजन आधुनिक जानकारों को विस्मय में डाल देते हैं, जो हमारे अतीत की महानता का एक उदाहरण भर है।

अफसोस की बात है कि आजादी के बाद के दशकों में हमने अपने इतिहास के कई पहलुओं और अपने कई ऐतिहासिक स्थलों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे हमारा समृद्ध अतीत हमारी यादों से ओझल हो गया। हालांकि, पिछले दस सालों में इस प्रवृत्ति में बदलाव देखा गया है।

इस प्रकार, उसी भावना के साथ हमारी सरकार ने एक जीवंत राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर बनाने का फैसला किया है, जो सभ्यता के इतिहास की हमारी समझ को बेहतर बनाएगा। यह नई परियोजना निश्चित रूप से इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के बीच उत्साह पैदा करेगी। यह परिसर प्राचीन लोथल को एक सीमित डॉक शहर के रूप में फिर से जीवंत कर देगा। इस परिसर के केंद्र में एक प्रतिष्ठित लाइटहाउस संग्रहालय होगा, जो 77 मीटर ऊंचा होगा, जो अपनी तरह का दुनिया का सबसे ऊंचा संग्रहालय होगा। यह मौजूद विभिन्न इमर्सिव गैलरी इस अनुभव को और भी बेहतर बना देंगी।

इस तरह के प्रयास से पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, जिसे मैं भारत में विकास के प्रमुख चालक के रूप में देखता हूं। जब पर्यटन बढ़ता है, तो सभी क्षेत्रों में आय बढ़ती है। मैं आप सभी अग्रणी और सम्मानित पेशेवरों से आग्रह करता हूं कि आप पर्यटन क्षेत्र में नए अवसरों की खोज करें और इस पर अपने विचार मेरे साथ साझा करें। इस तरह, हम एक मजबूत अर्थव्यवस्था में योगदान देंगे और साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए अपने समृद्ध अतीत को संरक्षित करेंगे। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

सेमीकंडक्टर क्रांतिः भारत की तकनीकी व भू-राजनीतिक प्रभाव का नया युग

अरुण सिंह

(पिछले अंक का शेष)

4. **सी.जी. पावर की ओएसएटी इकाई, साणंद, गुजरातः** मुरुगप्पा समूह की सी.जी. पावर, जापान की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन और थाईलैंड की स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ साझेदारी में साणंद, गुजरात में एक उन्नत ओएसएटी सुविधा विकसित कर रही है। पांच वर्षों में 7,600 करोड़ रुपये के नियोजित निवेश के साथ, यह सुविधा ऑटोमोटिव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और 5जी तकनीक जैसे उद्योगों की जरूरतों को पूरा करेगी। यह सुविधा सेमीकंडक्टर उत्पादों की एक श्रृंखला का उत्पादन करेगी और इससे 5,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। अगले तीन वर्षों में संयंत्र का लक्ष्य प्रतिदिन 1.5 करोड़ इकाइयों का उत्पादन बढ़ाना है, जिससे भारत की सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा।
5. **केनेस सेमीकॉन प्लांट, गुजरातः** भारत की सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमताओं का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के साणंद में एक OSAT इकाई स्थापित करने के लिए केनेस सेमीकॉन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 3,307 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह सुविधा प्रतिदिन 6.3 मिलियन चिप्स का उत्पादन करने के लिए तैयार है। सरकार ISM की संशोधित योजना के तहत 50% पूंजी निवेश सहायता की पेशकश कर रही है, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर परिदृश्य में चीन के लिए एक प्रतिस्पर्धी विकल्प पेश करने के भारत के प्रयासों को मजबूत करती है।

युवाओं, शिक्षाविदों और उद्योग जगत का समावेशनः

मोदी सरकार के राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन के तहत वर्तमान में भारत भर में 113 विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों ने उद्योग जगत के लीडर्स के सहयोग से तैयार किए गए सेमीकंडक्टर-केंद्रित पाठ्यक्रमों को शामिल किया है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अकादमिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया की उद्योग आवश्यकताओं के साथ जोड़ना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्नातक सेमीकंडक्टर परिदृश्य में योगदान देने के लिए तैयार हैं। उदाहरण के लिए 74 विश्वविद्यालयों में चल रहे LAM रिसर्च के सेमीवर्स प्रोग्राम ने अकेले इस वर्ष 2,600 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है। आने वाले वर्षों में इस पहल का बड़े पैमाने पर विस्तार होने की उम्मीद है। एक अन्य महत्वपूर्ण विकास में बेंगलुरु में AMD का ग्लोबल डिज़ाइन सेंटर खोला गया है, जिसमें वर्तमान में 5,000 इंजीनियर कार्यरत हैं और आगे भी विस्तार की योजना है। ये अकादमिक और उद्योग संबंध भारत के लिए वैश्विक सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और विनिर्माण में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए मंच तैयार कर रहे हैं।

> **सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की मौजूदा शक्ति देश के सेमीकंडक्टर मिशन का एक और महत्वपूर्ण स्तंभ है। देश में पहले से ही विभिन्न कंपनियों में चिप डिजाइन में काम कर रहे 300,000 से अधिक इंजीनियर हैं, जिनमें से 52,000 अग्रणी, जटिल चिप डिजाइनों में लगे हुए हैं। इस डिजाइन क्षमता ने अंतरराष्ट्रीय रुचि आकर्षित की है, और इस क्षेत्र के लिए सरकार का समर्थन स्पष्ट है**

सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की मौजूदा शक्ति देश के सेमीकंडक्टर मिशन के एक और महत्वपूर्ण स्तंभ है। देश में पहले से ही विभिन्न कंपनियों में चिप डिजाइन में काम कर रहे 300,000 से अधिक इंजीनियर हैं, जिनमें से 52,000 अग्रणी, जटिल चिप डिजाइनों में लगे हुए हैं। इस डिजाइन क्षमता ने अंतरराष्ट्रीय रुचि आकर्षित की है, और इस क्षेत्र के लिए सरकार का समर्थन स्पष्ट है। कार्यक्रम के माध्यम से 13 डिजाइन इकोसिस्टम भागीदारों को वित्तीय सहायता मिली है जिनमें से कई ने सरकार से वित्तीय सहायता हासिल किया है, जो इस क्षेत्र में मजबूत विकास क्षमता का संकेत देता है। सेमीकंडक्टरों के रणनीतिक महत्व को पहचानते हुए मोदी सरकार ने अपनी चिप निर्माण प्रोत्साहन नीति को बढ़ाने का फैसला किया है, आईएसएम के दूसरे चरण के लिए वित्त पोषण परिव्यय को पहले चरण के 10 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 15 बिलियन डॉलर कर रही है।

वैश्विक मंच पर नया आकार लेता भारतः

भारत का बढ़ता सेमीकंडक्टर उद्योग की धमक विदेशी आयात पर निर्भरता कम करके रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाते हुए वैश्विक सेमीकंडक्टर परिदृश्य में राष्ट्र को एक प्रमुख किरदार के रूप में स्थापित करके अपनी भू-राजनीतिक स्थिति को फिर से परिभाषित करने

शेष पृष्ठ 27 पर...

अंधकार युग में पंजाब

तरुण चुघ

पंजाब, एक जरखेज़ भूमि एवं देश का खड़क भुजा, जो अपनी समृद्ध संस्कृति और विरासत के लिए विश्व प्रसिद्ध था, पंजाब जो एक समृद्ध और स्वर्णिम भूमि के रूप में जाना जाता था, आज नादान और बेईमान राजनीतिक नेताओं के कारण हर तरफ से संकट से घिरा हुआ है और इस विनाश के लिए अपने भाग्य को कोस रहा है। जहां वह आर्थिक, औद्योगिक, व्यापार और कृषि में देश का अग्रणी रहा है, आज वही पंजाब कानून-व्यवस्था, डकैती, रंगदारी, हत्या, आतंकवाद और नशे के लिए जाना जाता है। साथ ही, जिन लोगों ने बेहतर जीवन के लिए आम आदमी पार्टी को चुना, वे शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में अन्य राज्यों से पिछड़ जाने से लोग आप के चुनावी वादों की कीमत पर अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। चूंकि वर्तमान आप (AAP) सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है, हम देखते हैं कि राज्य सामाजिक अशांति से बुरी तरह प्रभावित है। आप के शासन ने लोगों को वह जीवन तो नहीं दिया, जिसका उन्होंने वादा किया था, विपरीत परिस्थिति और लाचार जरूर बना दिया।

पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार मार्च, 2022 में सत्ता संभालने के बाद से अपने प्रदर्शन और नेतृत्व में बुरी तरह विफल रही है। दरअसल, मुख्यमंत्री मान ने पहले ही दिन पंजाब के लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था, जब उन्होंने मुख्यमंत्री सहित पंजाब के सभी सरकारी कार्यालयों से शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की तस्वीर हटाकर उनका अपमान किया था। मान सरकार ने पंजाबियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने का दुःसाहस किया। यह जानते हुए भी कि महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के गौरव, शौर्य और साहस के महान प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री का यह कारनामा आज भी पंजाबियों के मन में अविस्मरणीय स्मृति के रूप में अंकित है।

जहां मुख्यमंत्री को अपने ही लोगों को संबोधित करने के लिए भी बुलेट-प्रूफ सीसे के केबिन के पीछे छिपना पड़ता हो, उस राज्य में कानून-व्यवस्था कैसे बनी रह सकती है और लोग कैसे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं? जब सरकार सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहती है तो लोगों का असुरक्षित महसूस होना स्वाभाविक है। आत्मविश्वास की कमी के कारण ढाई साल में चार कैबिनेट फेरबदल हुए, जो इस तथ्य का प्रमाण है कि सरकार के भीतर अस्थिरता एवं अविश्वास सबसे गंभीर समस्या है, जो खराब योजना और दिशा की कमी को उजागर करती है। यहां तक कि बार-बार किए गए इन परिवर्तनों से भी बेहतर प्रशासन या सेवा वितरण में मदद नहीं मिली है। जो प्रशासन के भीतर गहरे व्यवस्थागत मुद्दों का स्पष्ट संकेत है, बार-बार होने वाले फेरबदल सरकार और शासन की अस्थिरता और भगवंत मान के नेतृत्व में आत्मविश्वास की कमी को दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री मान ने पहले ही दिन पंजाब के लोगों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था, जब उन्होंने मुख्यमंत्री सहित पंजाब के सभी सरकारी कार्यालयों से शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की तस्वीर हटाकर उनका अपमान किया था। मान सरकार ने पंजाबियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने का दुःसाहस किया। यह जानते हुए भी कि महाराजा रणजीत सिंह पंजाब के गौरव, शौर्य और साहस के महान प्रतीक हैं

ढाई साल तक सत्ता में रहने और अपना आधा कार्यकाल पूरा करने के बावजूद मान सरकार बुनियादी ढांचे को बनाए रखने, नागरिकों को नागरिक सुविधाएं प्रदान करने, लोगों को कानून का शासन देने, नशाखोरी को समाप्त करने, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर देने, पर्याप्त शैक्षणिक बुनियादी ढांचे और बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों से निपटने में विफल रही है। मान के कार्यकाल के दौरान वित्तीय कुप्रबंधन एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। इस समय पंजाब सरकार 3 लाख 76 हजार करोड़ रुपये के भारी कर्ज के बोझ तले दबी हुई है और लगातार कर्ज लेकर घी खाने की आदत के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। यह कर्ज पंजाब की जीडीपी के 46 फीसदी के करीब पहुंच गया है। पंजाब की जीडीपी करीब 8 लाख करोड़ रुपए है। आप सरकार ने अपने खर्चों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार से 30,464.92 करोड़ रुपये की स्वीकृत ऋण सीमा से 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त ऋण सीमा का अनुरोध किया है। इस वित्तीय संकट के कारण राज्य कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में एकरूपता नहीं आई है, यानी अनियमितताएं हुई हैं, जो सरकार की वित्तीय व्यवस्था पर सवाल उठा रही हैं।

वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी चौंकाने वाली है। आप सरकार में राजकोषीय अनुशासन की कमी सरकार के उधार लेने के तरीके से स्पष्ट है। राज्य नए ऋण लेकर ऋण जाल में और फंसता जा रहा है, जबकि पूंजीगत व्यय और ऋण का भुगतान अपने मौजूदा लिए जा रहे ऋण के हिस्से से कर रहा है। मान सरकार ने पंजाब को दिवालियापन की ओर धकेल दिया है और बकाया ऋण में साल-दर-साल वृद्धि ने बड़ी वित्तीय चिंताएं पैदा कर दी हैं। वर्तमान वित्तीय स्थिति सरकार की नीतियों की स्पष्ट विफलता के अलावा और कुछ नहीं है और इन

परिस्थितियों में सुधार की तत्काल आवश्यकता समय की मांग है। हमारे सामने ये कई सवाल हैं कि राज्य अपने कर्ज को प्रबंधित करने की योजना कैसे बनाता है और मुख्यमंत्री के पदभार संभालने के बाद से कर्ज को कम करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं? यह देखते हुए कि पंजाब सरकार को इस वित्तीय वर्ष में 69,867 करोड़ रुपये का भुगतान करना है, जिसमें से 23900 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज भुगतान है। भारी कर्ज के बोझ तले दबी होने के बावजूद सरकार अतिरिक्त कर्ज लेने को कैसे उचित ठहरा सकती है? सरकार को एक विस्तृत योजना प्रदान करने की आवश्यकता है कि वह अनावश्यक व्यय पर कैसे अंकुश लगाएगी और राजकोषीय अनुशासन में सुधार करेगी। लोग जानना चाहते हैं इसलिए मान सरकार को ऐसे कई सवालों का जवाब देना होगा। वित्तीय आपातकाल जैसी स्थिति के लिए हम वित्तीय प्रबंधन पर एक श्वेत पत्र की मांग करते हैं।

वो दावे कहां गए? जो सत्ता में आने से पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पंजाबियों से किया था कि वे दिल्ली मॉडल को पंजाब में लागू करेंगे और पंजाब से कर्ज का बोझ हटाएंगे और पंजाब को समृद्ध बनाएंगे। उन्होंने दावा किया था कि पंजाब के पास अपने खर्चों के लिए संसाधन हैं, किसी से मांगने की जरूरत नहीं है, उचित प्रबंधन से स्रोतों से पैसा इकट्ठा किया जाएगा, जिससे कर्ज भी उतर जाएगा और राज्य का खर्च भी पूरा हो जाएगा। मुझे याद है उन्होंने कहा था कि सभी तरह के भ्रष्टाचार को खत्म करके 36 हजार करोड़ रुपये कमाए जाएंगे और रेत खनन से 20 हजार करोड़ रुपये कमाए जाएंगे और जीएसटी और उत्पाद शुल्क नीति से अधिक पैसा इकट्ठा किया जाएगा। पंजाब सरकार के सत्ता में आने के बाद से खनन से होने वाले राजस्व की बात करें तो पिछले दो वर्षों में अनुमानित 20,000 करोड़ रुपए के बजाय पंजाब सरकार ने खनन से 472.5 करोड़ रुपए राजस्व एकत्र किया है, जिसमें 2022-23 में 247 करोड़ रुपये, वर्ष 2023-24 में 225.50 करोड़ रुपए का है। इस प्रकार, खनन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करने का सरकार का वादा भी फीका पड़ गया है। इसके अलावा मान सरकार के राज्य में पूरे पंजाब में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है, जिससे पता चलता है कि सरकार खनन माफिया के साथ मिली हुई है। अपने कार्यकाल के ढाई साल में चौथे खनन मंत्री की नियुक्ति खनन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के प्रबंधन में मान सरकार की विफलता को दर्शाती है।

बुनियादी ढांचागत विकास और बुनियादी शहरी सुविधाएं शहरी और ग्रामीण पंजाब के लोगों की बढ़ती मांगों के अनुरूप नहीं हैं। अपर्याप्त सार्वजनिक सेवाओं और सुविधाओं को लेकर जनता में व्यापक असंतोष है। सरकार इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में रुचि क्यों नहीं रखती हैं? जैसे-जैसे मैं आप के नेतृत्व वाले पंजाब में बेरोजगारी के अशांत और हताश माहौल से गुजरता हूं, मेरे दिल पर एक भारी बोझ पड़ता है। मान सरकार बेरोजगारी, एक और गंभीर चुनौती से निपटने के लिए भी मुकर रही है। भले ही सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में नौकरियां पैदा करने का दावा करती है, लेकिन बेरोजगारी अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। सरकारी क्षेत्रों में रोज़गार बढ़ने की बजाय लगभग 25% कम हो गया है। वर्ष 2002-2003 में 3,82,205 पदों की तुलना में वर्ष 2021-22 में भरे गए नियमित पद 2,60,789 हैं तथा 36428 आकस्मिक व्यय पर दैनिक वेतन भोगी हैं। ऐसे में नियमित कर्मचारी 2,60,589 ही रह गए हैं। अर्धसरकारी क्षेत्रों में रोजगार आधा भी नहीं है।

आप के नेतृत्व वाले पंजाब में बेरोजगारी की स्थिति और खराब हो गई है, बेरोजगारी दर 9.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है। युवा रोजगार और सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने के दावों के बावजूद आंकड़े श्रम बल की भागीदारी दर में गिरावट और बढ़ती बेरोजगारी की चिंताजनक प्रवृत्ति दिखाते हैं। जनवरी से मार्च, 2023 तक 15-29 आयु वर्ग के व्यक्तियों के बीच समग्र श्रम बल भागीदारी दर 45.5 प्रतिशत थी। अक्टूबर से दिसंबर, 2023 तक यह घटकर 44.1 फीसदी हो गई। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि महिलाओं की श्रम शक्ति में भागीदारी में भारी गिरावट आई है। अप्रैल से जून, 2022 में यह 22.4 प्रतिशत से गिरकर अक्टूबर से दिसंबर, 2023 में निराशाजनक 18.3 प्रतिशत हो गई। इसके अलावा, समान आयु वर्ग के लिए बेरोजगारी दर अप्रैल से जून, 2022 में 7.6 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर से दिसंबर, 2023 में 15.3 प्रतिशत हो गई, जो कि 'आप सरकार' की गंभीर विफलता का संकेत है।

सरकारी क्षेत्रों में रोज़गार बढ़ने की बजाय लगभग 25% कम हो गया है। वर्ष 2002-2003 में 3,82,205 पदों की तुलना में वर्ष 2021-22 में भरे गए नियमित पद 2,60,789 हैं तथा 36428 आकस्मिक व्यय पर दैनिक वेतन भोगी हैं। ऐसे में नियमित कर्मचारी 2,60,589 ही रह गए हैं। अर्धसरकारी क्षेत्रों में रोजगार आधा भी नहीं है

इसके अलावा पलायन एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। पलायन का मूल कारण क्या है? क्या यह अच्छी शिक्षा व्यवस्था की कमी है या नौकरी के अवसरों की कमी है, या यह पंजाब में नशे की लत है? क्या सरकार इसका समाधान ढूंढने में असमर्थ है? मैं बता दूं कि यह मामला कहीं न कहीं पंजाब की आर्थिक स्थिति, रोजगार, कानून व्यवस्था और नशे से जुड़ा है।

पंजाब में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी की समस्या बनी हुई है और राज्य को भारत में नशीली दवाओं की लत के केंद्रों में से एक माना जाता है। नशीली दवाओं की लत ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सामाजिक वर्गों के युवाओं के जीवन को नष्ट कर दिया है। AAP ने कहा था कि 4 महीने में पंजाब नशा मुक्त हो जाएगा। मुख्यमंत्री मान के वादे के बावजूद आप के सत्ता में आने के बाद नशीली

दवाओं के सेवन के मामलों में भारी वृद्धि हुई है और बड़ी संख्या में नशीली दवाओं से संबंधित मौतें दर्ज की गई हैं। नशामुक्ति केंद्रों और सरकारी आउट पेशेंट ओपिओइड-असिस्टेड ट्रीटमेंट (ओओएटी) क्लीनिकों की स्थापना से महत्वपूर्ण परिणाम नहीं मिले हैं, लेकिन नशामुक्ति केंद्र खुद नशे से बीमार जरूर हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली अपर्याप्त बुनियादी ढांचे, दवाओं की लगातार कमी और कर्मचारियों की कमी से ग्रस्त है।

पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। गैंगस्टर जेलों से फिरौती के लिए फोन करते हैं और जेल अधिकारियों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। राज्य की जनता में डर और आशंका का माहौल है। पंजाब में आम आदमी पार्टी रंगदारी, डकैती और हत्याएं रोकने में विफल रही है। ऐसी घटनाओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब तीन-चार फिरौती मांगने, दिन-प्रतिदिन हत्याएं और डकैतियां होने की खबरें न सुनाई देती हों। यदि राज्य को तानाशाही द्वारा चलाया जा रहा है, तो यह आप द्वारा लोगों द्वारा दिए गए जनादेश के साथ विश्वासघात है।

कामकाज और शासन के मामले में आप सरकार ने मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रभावी ढंग से चलाने की अपनी विश्वसनीयता खो दी है। आज भी लगभग हर दिन विभिन्न सरकारी विभागों में घोटाले और नाकामियां सामने आ रही हैं। इस संबंध में भी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली 'आप सरकार' बुरी तरह विफल रही है।

अस्पताल के बिलों का भुगतान न करने से आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के तहत गरीबों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल पा रही है, अंग्रेजी शिक्षकों की पदोन्नति में हालिया अनियमितताएं, शिक्षकों को नियमित करने में विफलता, सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों की कमी, बिजली सब्सिडी निकासी, विभिन्न रिक्तियों को भरने में विफलता सरकारी विभाग सभी राज्य की विफलताओं में योगदान करते हैं।

आम आदमी पार्टी की उपस्थिति भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों से भरी हुई है। अपनी स्थापना के बाद से अरविंद केजरीवाल और 'आप' ने भ्रष्टाचार को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे किए हैं, लेकिन ड्रग माफिया, रेत माफिया, उत्पाद शुल्क घोटाले और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की रिपोर्ट कुछ और ही कहानी बताती है। आप झूठे वादों के आधार पर सत्ता में आई और उनका घोषणापत्र खोखला वादा बनकर रह गया। आज पंजाब में भ्रष्टाचार चरम पर है। भ्रष्टाचार के सरगना अरविंद केजरीवाल भले ही जमानत पर जेल से बाहर आ गए हों, लेकिन ऐसा लगता है कि आप नेता दिल्ली या पंजाब में अपनी विरासत जारी रखे हुए हैं।

ये कुछ ज्वलंत मुद्दे हैं जिन्होंने पंजाब के लोगों के मन में असुरक्षा और भय की भावना पैदा कर दी है। इन बहुआयामी चुनौतियों से निपटने और प्रशासनिक सुधार लाने के लिए आप सरकार को काफी समय दिया गया है। मुख्यमंत्री मान ने राज्य चलाने और लोगों को राहत देने में अपनी विफलता के लिए इस्तीफा देने पर विचार करे। पंजाब को एक सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है जो प्रशासन को पूर्ण पुनर्वास की ओर ले जा सके। अब यह समझने का समय है कि केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही पंजाब को समृद्ध, स्थिर और सुशासन देने की क्षमता रखती है। पंजाब में स्थायी नेतृत्व की जरूरत भाजपा के साथ दोहरी इंजन वाली सरकार ही पूरी कर सकती है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं)

पृष्ठ 14 का शेष भाग...

के लिए तैयार है। अमेरिका और जापान जैसी प्रमुख वैश्विक शक्तियों के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत कर रहा है, रक्षा और बुनियादी ढांचे के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों तक पहुंच सुनिश्चित कर रहा है। यह विस्तार भारत को सेमीकंडक्टर स्पेस में चीन के प्रभुत्व को कम करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला विकल्प के रूप में उभरने का अवसर देता है। बढ़े हुए निवेश और उन्नत विनिर्माण क्षमताओं के साथ भारत रणनीतिक निवेश आकर्षित कर रहा है, जिससे इसका भू-राजनीतिक प्रभाव और मजबूत हो रहा है। यह वृद्धि राष्ट्र को अपने तकनीकी कौशल का लाभ उठाते हुए WTO और G20 जैसे वैश्विक मंचों में अधिक मुखरता से भाग लेने में सक्षम बनाती है। व्यापक इंडो-पैसिफिक रणनीति के हिस्से के रूप में भारत का सेमीकंडक्टर क्षेत्र आर्थिक कूटनीति को बढ़ावा देते हुए सहयोगी देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देता है। सेमीकंडक्टर कूटनीति के माध्यम से भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों के अनुकूल व्यापार समझौतों और साझेदारी को आकार देने के लिए तैयार है।

मोदीजी का राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन भारत के तकनीकी और भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस मिशन की अगुआई करके भारत सरकार न केवल घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित कर रही है, बल्कि देश की रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक प्रभाव को भी मजबूत कर रही है। मिशन का जोर एक व्यापक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर है; जिसमें निर्माण संयंत्र, असेंबली इकाइयां और अनुसंधान सुविधाएं शामिल हैं; भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता बढ़ती है। यह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देता है, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका को मजबूत करता है और चीन जैसे प्रतिस्पर्धियों के प्रभुत्व का मुकाबला करता है। अंततः, मोदीजी का राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन भारत को एक वैश्विक सेमीकंडक्टर हब में बदलने, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक दुर्जेय शक्ति के रूप में अपनी स्थिति को सुरक्षित करने में सहायक है। ■

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सांसद हैं)

दुनिया जब चिंता में डूबी हुई है, तब भारत आशा की किरण जगा रहा है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 को संबोधित किया। श्री मोदी ने पिछले चार-पांच वर्षों की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भविष्य की चिंताओं पर चर्चा एक सामान्य विषय रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि कोविड महामारी, कोविड के बाद आर्थिक तनाव, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, विश्व के कई हिस्सों में जारी संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, निर्दोष लोगों की मौत, भू-राजनीतिक तनाव और संघर्ष जैसी हालिया चुनौतियां सभी वैश्विक शिखर सम्मेलनों में चर्चा का विषय बन गई हैं।

प्रधानमंत्री ने एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 को किया संबोधित

श्री मोदी ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के इस युग में भारत आशा की किरण बन गया है। उन्होंने कहा, "जब दुनिया चिंतित है, तो भारत आशा का संचार कर रहा है।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज भारत हर क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से काम कर रहा है।" श्री मोदी ने सरकार के तीसरे कार्यकाल के 125 दिन पूरे होने पर देश में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गरीबों के लिए 3 करोड़ नए पक्के मकानों को मंजूरी देने, 9 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरुआत करने, 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने, 8 नए हवाई अड्डों की आधारशिला रखने, युवाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का पैकेज देने, किसानों के बैंक खातों में 21,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने, 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के लिए मुफ्त इलाज योजना, लगभग 5 लाख घरों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 90 करोड़ पौधे लगाने, 12 नए औद्योगिक क्षेत्रों को मंजूरी देने, सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 5-7 प्रतिशत की वृद्धि और भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 700 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यों का जिक्र किया। ■

पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत के प्रति श्रद्धांजलि है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 अक्टूबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित किया। अभिधम्म दिवस भगवान बुद्ध के अभिधम्म की शिक्षा देने की घटना से जुड़ा है। हाल ही में पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिए जाने से इस वर्ष के अभिधम्म दिवस समारोह का महत्व और बढ़ गया है, क्योंकि भगवान बुद्ध की अभिधम्म पर शिक्षाएं मूल रूप से पाली भाषा में उपलब्ध हैं।

अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस समारोह

प्रधानमंत्री ने अभिधम्म दिवस पर उपस्थित होने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अवसर लोगों को प्रेम और करुणा के साथ दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने की याद दिलाता है।

श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष का अभिधम्म दिवस विशेष है, क्योंकि भगवान बुद्ध ने जिस पाली भाषा में उपदेश दिए थे, उस भाषा को इसी महीने भारत सरकार द्वारा शास्त्रीय भाषा (क्लासिकल लैंग्वेज) का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसलिए आज का अवसर और भी विशेष है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देना भगवान बुद्ध की महान विरासत और धरोहर के प्रति श्रद्धांजलि है।

श्री मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से भगवान बुद्ध द्वारा बोली जाने वाली पाली भाषा अब आम बोलचाल में नहीं रह गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि संस्कृति और परंपरा की आत्मा है। श्री मोदी ने कहा कि यह मूल भावों से जुड़ी हुई है और पाली को वर्तमान समय में जीवित रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि वर्तमान सरकार ने इस जिम्मेदारी को विनम्रता के साथ निभाया है और भगवान बुद्ध के करोड़ों अनुयायियों की अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। ■

लगातार हार से कांग्रेस का पूरा नेतृत्व सदमे में है : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 13 अक्टूबर, 2024 को प्रेस वक्तव्य जारी कर कहा कि लगातार हार पर हार की हताशा और निराशा में कांग्रेस वैचारिक दिवालियेपन की शिकार होती चली जा रही है। जब जमीन पर कांग्रेस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की गरीब कल्याण नीतियों, योजनाओं और 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत का मुकाबला नहीं कर पा रही तो उसका पूरा शीर्ष नेतृत्व भाजपा और प्रधानमंत्रीजी को गाली देने के साथ-साथ देश को बदनाम करने में लग गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के अर्बन नक्सल्स होने के जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे जी का भाजपा को आतंकी पार्टी बताना, कांग्रेस की इसी हताशा और वैचारिक शून्यता को दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस की लगातार हार की खीझ से उनका पूरा नेतृत्व सदमें में है।

- **कांग्रेस बताये** – संसद पर हमला करने का दोषी आतंकी अफजल गुरु की फांसी को रुकवाने के लिए आधी रात को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा किस-किस ने खटखटाया था?
- **कांग्रेस बताये** – बाटला हाउस एनकाउंटर में हुई आतंकियों की मौत पर किसने रात को आंसू बहाए थे?
- **कांग्रेस बताये** – आतंकी अफजल गुरु की बरसी पर जेएनयू में 'भारत तेरे टुकड़े होंगे - इंशा अल्लाह' और 'अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिन्दा हैं' के नारे लगने वाले कार्यक्रम में खड़े होकर इसे किसने समर्थन दिया था?
- **कांग्रेस बताये** – सैफ्रन टेररिज्म का शिगूफा किस पार्टी की सरकार के गृह मंत्रियों ने छेड़ा था?
- **कांग्रेस बताये** – सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर सवाल किसने उठाये थे?
- **कांग्रेस बताये** – किसने अमेरिकी राजदूत से कहा था कि इस देश को आतंकियों से ज्यादा खतरा हिंदुओं से है?
- **कांग्रेस बताये** – नक्सलियों को शहीद और क्रांतिकारी किस पार्टी के नेता कहते हैं?
- **कांग्रेस बताये** – नक्सलियों का हमदर्द और भारत विरोधी साजिशों का मास्टरमाइंड जॉर्ज सोरोस से उसका connection क्यों है?
- **कांग्रेस बताये** – भारत विरोध की आग में अंधे इलहान ओमर जैसे लोगों से विदेश जाकर कौन मिलता है?
- **कांग्रेस बताये** – प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हत्या की साजिश रचने वाले अर्बन नक्सलियों के समर्थन में कौन खड़ा हुआ था?
- **कांग्रेस बताये** – प्रतिबंधित आतंकी संगठन और हाफिज सईद और पन्नू जैसे आतंकी कांग्रेस का खुला समर्थन क्यों करते हैं?
- **कांग्रेस बताये** – हर दिन भारत के खिलाफ साजिशें रचने वाला पाकिस्तान कांग्रेस के पक्ष में क्यों है?
- **कांग्रेस बताये** – जब डोकलाम में हमारे सैनिक अपनी सीमा की रक्षा में जुटे थे, तो आधी रात को चीनी दूतावास में कौन गया था?
- **कांग्रेस बताये** – उसने चीन की सत्ताधारी पार्टी से एमओयू साइन क्यों किया था? वो एमओयू क्या है?
- **कांग्रेस बताये** – किस पार्टी के नेताओं ने पाकिस्तान से मोदीजी को हटाने में मदद मांगी?
- **कांग्रेस बताये** – किसने विदेशी धरती पर विदेशी ताकतों से भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप की मांग की?
- **कांग्रेस बताये** – भारत तोड़ो यात्रा में भारत विरोधी ताकतें क्यों शामिल थीं?
- **कांग्रेस बताये** – संसद में ट्रिपल तलाक का समर्थन किसने किया था? कौन सी पार्टी नहीं चाहती थी कि ट्रिपल तलाक समाप्त हो?
- **कांग्रेस बताये** – जब धारा 370 ख़त्म हो रही थी तो कांग्रेस इसके विरोध में क्यों खड़ी थी?

श्री नड्डा ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी, अब थोथे कुतर्क गढ़ने से काम नहीं चलेगा। हर बार जब आप लोकतंत्र के मैदान में भाजपा का और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सामना नहीं कर पाते हैं और अपने नामदार युवराज के कारण शर्मसार होते हैं, तो आप गाली देना शुरू कर देते हैं, उलूल-जुलूल बोलना शुरू कर देते हैं।

उन्होंने कहा कि खड़गे जी, हरियाणा की हार पर आपको एक और आत्मचिंतन करने की जरूरत थी, हालांकि मैं ये समझ सकता हूं कि एक Failed Product को हार के मालिकाना हक़ से बचाने और उस Failed Product को चमकाने के चक्कर में पूरी कांग्रेस पार्टी का बौद्धिक पतन हो चुका है और उसकी सोचने समझने की शक्ति नष्ट हो चुकी है।

श्री नड्डा ने कहा कि खड़गे जी, अपनी हार के कारणों का विश्लेषण करने के बजाय कांग्रेस ने अपनी policy रूपी dictionary में 'गुमराह', 'Vote Bank Politics', 'देश को बदनाम करने की साजिश', 'Politics of casteism', 'Politics of appeasement', 'Politics of Corruption', 'Scam', 'झूठ की राजनीति' जैसे शब्दों को ही विशेष स्थान देने की आदत और परंपरा बना ली है। देश की सबसे पुरानी पार्टी की ऐसी दशा देख कर वास्तव में मुझे दुःख होता है। ■

महाराष्ट्र एवं झारखंड में विधानसभा चुनावों की घोषणा

चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर, 2024 को महाराष्ट्र एवं झारखंड विधानसभा चुनाव की तिथियां घोषित कर दी। झारखंड में 13 एवं 20 नवंबर को दो चरण में मतदान होंगे, जबकि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होगा। विधानसभा के साथ बिहार, उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में उपचुनावों की भी तिथि जारी की गई। चुनावों के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। झारखंड में दो चरणों में चुनाव कराने का निर्णय सुरक्षा कारणों से नक्सल गतिविधियों को देखते हुए लिया गया है। झारखंड में करीब 2.6 करोड़ व महाराष्ट्र में करीब 9.63 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। महाराष्ट्र में कुल 1 लाख 186 पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे, वहीं, झारखंड में 29,562 पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे। झारखंड के वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी, 2025 तक और महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर, 2024 तक ही है।

झारखंड विधानसभा के लिए कार्यक्रम

निर्वाचन कार्यक्रम	चरण-I (43 वि.स.नि. क्षेत्र)	चरण-II (38 वि.स.नि. क्षेत्र)
राजपत्र अधिसूचना जारी करने की तारीख	18 अक्टूबर, 2024	22 अक्टूबर, 2024
नाम-निर्देशन करने की अंतिम तारीख	25 अक्टूबर, 2024	29 अक्टूबर, 2024
नाम-निर्देशनों की संवीक्षा के लिए तारीख	28 अक्टूबर,2024	30 अक्टूबर, 2024
अभ्यिर्थिताएं वापस लेने की अंतिम तारीख	30 अक्टूबर,2024	01 नवंबर, 2024
मतदान की तारीख	13 नवंबर, 2024	20 नवंबर, 2024
मतगणना की तारीख	23 नवंबर, 2024	
वह तारीख जिससे पहले निर्वाचन संपन्न हो जाएगा	25 नवंबर, 2024	

महाराष्ट्र विधान सभा के लिए कार्यक्रम

निर्वाचन कार्यक्रम	महाराष्ट्र (सभी 288 वि.स.नि.क्षेत्र)
राजपत्र अचधसूचना जारी करने की तारीख	22 अक्टूबर, 2024
नाम-निर्देशन करने की अंनतम तारीख	29 अक्टूबर, 2024
नाम-निर्देशनों की संवीक्षा के लिए तारीख	30 अक्टूबर, 2024
अभ्यिर्थिताएं वापस लेने की अंतिम तारीख	04 नवंबर, 2024
मतदान की तारीख	20 नवंबर, 2024
मतगणना की तारीख	23 नवंबर, 2024
वह तारीख जिससे पहले निर्वाचन संपन्न हो जाएगा	25 नवंबर, 2024

भाजपा संगठन चुनाव संचालन हेतु चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 अक्टूबर, 2024 को संगठन चुनाव के संचालन हेतु राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की।

यह सदस्य निम्नलिखित होंगे-

डॉ. के. लक्ष्मण, सांसद	राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी
श्री नरेश बंसल, सांसद	राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी
श्रीमती रेखा वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी
डॉ. संबित पात्रा, सांसद	राष्ट्रीय सह चुनाव अधिकारी ■

भाजपा दिल्ली प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रभारी एवं सह प्रभारी नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 अक्टूबर, 2024 को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव हेतु भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद श्री बैजयंत पाण्डा को प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया। भाजपा नेता एवं सासंद श्री अतुल गर्ग को दिल्ली विधानसभा चुनाव हेतु सह प्रभारी नियुक्त किया। ■

प्रधानमंत्री का वाराणसी (उत्तर प्रदेश) दौरा

आज की विकास पहलों से नागरिकों, विशेषकर हमारी युवा शक्ति को बहुत लाभ होगा: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कई विकास परियोजनाओं की लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 6,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई हवाई अड्डा परियोजनाएं और वाराणसी में कई विकास पहल शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन काशी के लिए बहुत ही शुभ है। उन्होंने आज ही आरजे शंकर नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि यह अस्पताल बुजुर्गों और बच्चों के लिए बहुत सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने आज की विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में नए हवाईअड्डों के उद्घाटन का उल्लेख किया, जिसमें आगरा और सहारनपुर का बाबतपुर हवाई अड्डा और सरसावा हवाई अड्डा शामिल हैं।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों से संबंधित विकास परियोजनाओं की आज वाराणसी में सौगात दी गई है, जिससे न केवल सेवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

श्री मोदी ने कुछ दिन पहले अभिधम्म दिवस में भाग लेने को याद किया और भगवान बुद्ध की उपदेश भूमि सारनाथ के विकास से संबंधित करोड़ों रुपये की कई विकास परियोजनाओं का आज उद्घाटन करने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने सारनाथ और वाराणसी के पाली और प्राकृत भाषाओं के साथ जुड़ाव पर प्रकाश डाला और हाल ही में उन्हें शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने का भी उल्लेख किया।

श्री मोदी ने वाराणसी के लोगों की सेवा करने का अवसर मिलने पर तीन गुना अधिक काम करने के अपने वादे को याद करते हुए कहा कि सरकार बनने के 125 दिनों से भी कम समय में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतम बजट गरीबों, किसानों और युवाओं को समर्पित है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है, जिसके दो मुख्य उद्देश्य हैं— लोगों के लिए सेवाओं में सुधार और निवेश के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना। आधुनिक राजमार्गों के विकास कार्यों, नए मार्गों पर रेल पटरियों को बिछाने और नए हवाई अड्डों की स्थापना का उदाहरण देते हुए श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि इससे लोगों के लिए सुविधा बढ़ रही है और साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

केंद्र सरकार बनने के 125 दिनों से भी कम समय में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं पर काम शुरू हो चुका है

आज देश में 150 से ज्यादा हवाई अड्डे

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के हवाई अड्डे और उनकी शानदार इमारतों में अद्भुत सुविधाएं हैं, जो पूरी दुनिया में चर्चा का विषय हैं। श्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश में सिर्फ 70 हवाई अड्डे थे, जबकि आज देश में 150 से ज्यादा हवाई अड्डे हैं और पुराने हवाई अड्डों के जीर्णोद्धार का काम चल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का यह निरंतर प्रयास है कि काशी और पूर्वांचल को व्यापार और व्यवसाय का एक बड़ा केंद्र बनाया जाए। उन्होंने कुछ दिन पहले गंगा नदी पर एक नए रेल-रोड पुल के निर्माण का भी जिक्र किया, जिसमें 6 लेन का राजमार्ग और कई रेलगाडियों के लिए रेलवे लाइन शामिल होगी। श्री मोदी ने कहा कि इससे वाराणसी और चंदौली के लोगों को बहुत लाभ होगा।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ■

'आसियान आज भारत के सबसे बड़े व्यापार और निवेश भागीदारों में से एक है'

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी उसकी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओस के प्रधानमंत्री श्री सोनेक्साय सिपानदोन के निमंत्रण पर 10-11 अक्टूबर को लाओ पीडीआर (लाओस) के वियनतियाने की सफल यात्रा की। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की यह 11वीं भागीदारी थी

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन

21वां आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 10 अक्टूबर, 2024 को लाओ पीडीआर के वियनतियाने में आयोजित किया गया। भारत की एक्ट-ईस्ट नीति के एक दशक पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आसियान नेताओं के साथ आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा करने और सहयोग की भविष्य की दिशा तय करने के लिए शामिल हुए। प्रधानमंत्री की इस शिखर सम्मेलन में यह 11वीं भागीदारी थी।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने आसियान एकता, आसियान केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत पर आसियान दृष्टिकोण के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। 21वीं सदी को एशियाई सदी कहते हुए उन्होंने कहा कि भारत-आसियान संबंध एशिया के भविष्य को दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत की एक्ट-ईस्ट नीति भारत की जीवंतता पर जोर देते हुए श्री मोदी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत-आसियान व्यापार दोगुना होकर 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। आसियान आज भारत के सबसे बड़े व्यापार और निवेश भागीदारों में से एक है। सात आसियान देशों के साथ सीधी उड़ान संपर्क स्थापित हो गया है। क्षेत्र के साथ फिन-टेक सहयोग के साथ आशाजनक शुरुआत हुई है और पांच आसियान देशों में साझा सांस्कृतिक विरासत की बहाली में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आसियान-भारत समुदाय के लाभ के लिए अधिक आर्थिक क्षमता का दोहन करने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आसियान-भारत एफटीए (एआईटीआईजीए) की समीक्षा पूरी करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। श्री मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान युवाओं को प्रदान की गई छात्रवृत्ति के माध्यम से भारत-आसियान ज्ञान साझेदारी में हुई प्रगति के बारे में भी बताया।

प्रधानमंत्री ने की 10 सूत्री योजना की घोषणा

'कनेक्टिविटी और लचीलापन' थीम को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 सूत्री योजना की घोषणा की, जिसमें शामिल हैं:

i. वर्ष 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाना, जिसके लिए भारत संयुक्त गतिविधियों के लिए 5 मिलियन अमरीकी डॉलर उपलब्ध कराएगा
ii. युवा शिखर सम्मेलन, स्टार्ट-अप महोत्सव, हैकाथॉन, संगीत महोत्सव, आसियान-भारत थिंक टैंक नेटवर्क और दिल्ली वार्ता सहित कई केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से एक्ट-ईस्ट नीति के एक दशक का उत्सव मनाना
iii. आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास निधि के तहत आसियान-भारत महिला वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित करना
iv. नालंदा विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की संख्या दोगुनी करना और भारत में कृषि विश्वविद्यालयों में आसियान छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति का प्रावधान करना
v. 2025 तक आसियान-भारत माल व्यापार समझौते की समीक्षा
vi. आपदा लचीलापन बढ़ाना, जिसके लिए भारत 5 मिलियन अमरीकी डॉलर उपलब्ध कराएगा
vii. स्वास्थ्य की दिशा में स्वास्थ्य मंत्रियों का एक नया ट्रैक शुरू करना
viii डिजिटल और साइबर नीति मजबूत करने की दिशा में आसियान-भारत साइबर नीति वार्ता का एक नियमित तंत्र शुरू करना
ix. ग्रीन हाइड्रोजन पर कार्यशाला
x. जलवायु पुनरुत्थान की दिशा में 'मां के लिए एक पेड़ लगाओ' अभियान में शामिल होने के लिए आसियान नेताओं को आमंत्रित करना

बैठक में नेताओं ने एक नई आसियान-भारत कार्य योजना (2026-2030) बनाने पर सहमति व्यक्त की, जो आसियान-भारत साझेदारी की पूरी क्षमता को साकार करने में दोनों पक्षों का मार्गदर्शन करेगी और दो संयुक्त वक्तव्यों को अपनाया गया:

i. भारत की एक्ट ईस्ट नीति (ईपी) के समर्थन से इंडो-पैसिफिक (एओआईपी) पर आसियान आउटलुक के संदर्भ में क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर संयुक्त वक्तव्य— नेताओं ने आसियान और भारत के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने में भारत की एक्ट-ईस्ट नीति के योगदान को मान्यता दी।
ii. डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने पर आसियान-भारत संयुक्त वक्तव्य— नेताओं ने डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व की सराहना की और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में भारत के साथ साझेदारी का स्वागत किया।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर, 2024 को वियनतियाने,

लाओ पीडीआर में 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में भागीदारी की। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय परिदृश्य, भारत की हिंद-प्रशांत अवधारणा और क्वाड सहयोग में आसियान की केंद्रीय भूमिका पर बल दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी उसकी एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री मोदी ने कहा कि शांति और विकास के लिए स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी, समृद्ध और नियम-आधारित व्यवस्था हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र को विस्तारवाद पर आधारित दृष्टिकोण के बजाय विकास आधारित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

ईएएस व्यवस्था के महत्व को दोहराने के साथ-साथ इसे और मजबूत बनाने के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि करते हुए श्री मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार पर ईएएस सहभागी देशों से प्राप्त समर्थन को भी याद किया।

इस अवसर पर उपस्थित नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को प्रभावित करने वाले क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक दक्षिण संघर्षों के गंभीर प्रभाव का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मानवीय दृष्टिकोण पर आधारित संवाद और कूटनीतिक मार्ग अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में इनका कोई समाधान नहीं है। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि साइबर और समुद्री चुनौतियों के साथ-साथ आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है, जिसके लिए देशों को इनका मुकाबला करने के लिए एक साथ आना चाहिए।

लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 अक्टूबर को वियनतियाने में लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री श्री सोनेक्साय सिपानदोन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-लाओस के प्राचीन और समकालीन संबंधों को और मजबूत बनाने पर सार्थक वार्तालाप किया। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, आपदा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, विरासत को सजोने, आर्थिक संबंध, रक्षा सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री सिपानदोन ने टाइफून यागी के बाद लाओ पीडीआर को प्रदान की गई भारत की बाढ़ राहत सहायता के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा भारतीय सहायता के माध्यम से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, वाट फ्रा किउ में जारी जीर्णोद्धार और संरक्षण द्विपक्षीय संबंधों को एक विशेष आयाम प्रदान करता है।

वार्ता के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा, प्रसारण, सीमा शुल्क सहयोग और मेकांग-गंगा सहयोग के तहत तीन त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (क्यूआईपी) के क्षेत्र में समझौता ज्ञापनों/समझौते का आदान-प्रदान किया गया। क्यूआईपी लाओ रामायण की विरासत के संरक्षण, रामायण से संबंधित भित्ति चित्रों के साथ वाट फ्रा किउ बौद्ध मंदिर के जीर्णोद्धार और चंपासक प्रांत में रामायण पर छाया कठपुतली थिएटर को समर्थन देने से संबंधित हैं। तीनों क्यूआईपी में से प्रत्येक को लगभग 50,000 अमेरिकी डॉलर की भारत सरकार की अनुदान सहायता प्राप्त है। भारत लाओ पीडीआर में पोषण सुरक्षा में सुधार के लिए लगभग एक मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता भी प्रदान करेगा। भारत, संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के माध्यम से प्रदान की जा रही यह सहायता दक्षिण-पूर्व एशिया में कोष की पहली ऐसी परियोजना होगी।

प्रमुख वैश्विक नेताओं से मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 अक्टूबर को लाओस में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के अवसर पर जापान के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री श्री शिगेरू इशिबा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास, रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, कौशल, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपरिहार्य भागीदार हैं और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री मोदी ने 11 अक्टूबर को वियनतियाने में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अवसर पर थाईलैंड की प्रधानमंत्री सुश्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा से मुलाकात की। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच यह पहली मुलाकात थी। दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर बातचीत की। उन्होंने उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग स्थापित करने के तरीकों पर भी अपने विचार साझा किये। इस संदर्भ में उन्होंने बिम्सटेक के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की।

थाईलैंड के साथ भारत के संबंध भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जिसका इस वर्ष एक दशक पूरा हो रहा है। इसके साथ ही भारत के इंडो-पैसिफिक विजन के भी दस वर्ष पूरे हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री श्री क्रिस्टोफर लक्सन ने 10 अक्टूबर को वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, डेयरी, कृषि तकनीक, खेल, पर्यटन, अंतरिक्ष और लोगों से लोगों के संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने के न्यूजीलैंड के फैसले का स्वागत किया। ■

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपने 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर दी बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 अक्टूबर को राष्ट्र की सेवा में समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को अपने 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने संघ के सभी स्वयंसेवकों को हार्दिक बधाई और असीम शुभकामनाएं दी और कहा कि 'मां भारती' के लिए यह संकल्प और समर्पण देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ ही 'विकसित भारत' को साकार करने में भी नई ऊर्जा भरने वाला है।

सोशल मीडिया 'एक्स' पर रा.स्व.संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत के एक वीडियो का लिंक साझा करते हुए श्री मोदी ने कहा, "राष्ट्र सेवा में समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस आज अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अविरल यात्रा के इस ऐतिहासिक पड़ाव पर समस्त स्वयंसेवकों को मेरी हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। मां भारती के लिए यह संकल्प और समर्पण देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करने के साथ ही 'विकसित भारत' को साकार करने में भी नई ऊर्जा भरने वाला है। आज विजयादशमी के शुभ अवसर पर माननीय सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी का उद्बोधन जरूर सुनना चाहिए" ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

वियनतियाने (लाओस) में 10 अक्टूबर, 2024 को भारत–आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वियनतियाने (लाओस) में 10 अक्टूबर, 2024 को रामायण पर आधारित एक कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

विज्ञान भवन (नई दिल्ली) में 17 अक्टूबर, 2024 को अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी में (उत्तर प्रदेश) 20 अक्टूबर, 2024 को आर.जे. शंकर नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

भारत मंडपम (नई दिल्ली) में 15 अक्टूबर, 2024 को आईटीयू विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

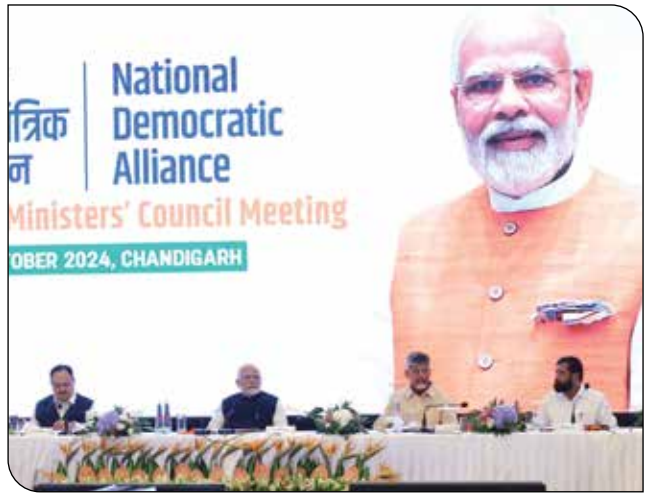

चंडीगढ़ (हरियाणा) में 17 अक्टूबर, 2024 को एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 02 नवंबर, 2024
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह